नीट पीड़ितों से मुलाकात कर.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

बॉयफ्रेंड के वजह से टूटा था... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 121 | गाजियाबाद / सोमवार 03 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

- कहा-बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे,अब कभी वापस नहीं लेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा- अशोक बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे। मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश,

जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला है। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी। अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी। मायावती ने शनिवार को उनसे इन राज्यों का जिम्मा छीन लिया था। इसके बाद सोशल मीडिया में खबरें आईं कि अशोक सिद्धार्थ को यूपी का जिम्मा दिया जा सकता है। इससे भड़ककर रविवार को मायावती ने एक्स पर लिखा- बार-बार चेतावनी के बावजूद अशोक सिद्धार्थ के रवैये में कोई सुधार नहीं आया। इस वजह से उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली गई थीं। बावजूद इसके उन्होंने यूपी लौटने की खबरें फैलाकर कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने की साजिश रची। इसीलिए अब उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

भरत भूषण तिवारी के लिए आंदोलन करना पड़ा भारी

- बिलौटी गांव के सरोज-पंकज त्रिपाठी पर एफआईआर दर्ज

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के बाद आंदोलन की अगुवाई करने वाले शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी त्रिपाठी बंधु काला हिरण रखने के मामले में फंस गए हैं। इस संबंध में बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी के खिलाफ शाहपुर थाना में वन्य जीव संरक्षण

अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भोजपुर वन प्रमंडल आरा प्रक्षेत्र के शाहपुर वन कार्यालय के वन पदाधिकारी श्रीनिवास सिंह के बयान पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 11, 39 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी ने अपने घर में काला हिरण रखा हुआ है।

मौलाना जर्जिस अंसारी ने फिर से उगला जहर

भगवान शिव और ब्रह्मा पर दिया विवादित बयान, भड़के कांवड़िए

इंदौर (एजेंसी)। भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा को लेकर मौलाना जर्जिस अंसारी के कथित विवादित बयान के विरोध में शनिवार को इंदौर में हिंदू संगठनों का भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और कांवड़िए चंदन नगर थाने पहुंचे और मौलाना के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और बच्चों की भी मौजूदगी रही। हालात की गंभीरता को भांपते हुए थाने पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा और सुरक्षा के एहतियात के तौर पर मुख्य द्वार भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा-हमें उनकी हर प्लानिंग को नाकाम करना है

दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं

पीएम बोले-भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं।

सीजेपी प्रोटेस्ट में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था जैश आतंकी

- जंतर-मंतर में तोड़फोड़ की थी साजिश बंगाल एसटीएफ का बड़ा दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। एसटीएफ के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था। एसटीएफ के डीजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया है।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। एसटीएफ के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एसटीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे,इसकी जांच कर रहे हैं।

राज्यमंत्री की शिकायत के बाद जुड़े टेरर मॉड्यूल के तार

एसटीएफ ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। अधिकारी के मुताबिक जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक लड़की ऑपरेट कर रही थी।

पत्नी के 92 वीडियो देख, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

कहा-पत्नी का किसी और के साथ अफेयर तो नहीं मिलेगा मेंटीनेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर किसी पत्नी के खिलाफ व्यभिचार (एडल्टरी) के आरोप प्रथम दृष्ट्या सही प्रतीत होते हैं, तो उसे अंतरिम भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार से जुड़े मामले के अंतिम निपटारे तक पत्नी को भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है। तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी। इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्ट्या आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है।

सुप्रीम अदालत बोली-पेश करने होंगे ठोस सबूत

अदालत ने कहा कि व्यभिचार से जुड़े मामलों में अक्सर परिस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। ऐसे में अंतिम फैसले तक इंतजार करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं होगा। पति को ऐसे ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने होंगे, जो पहली नजर में ही आरोपों की पुष्टि करते हों। मामले में पति ने पत्नी के खिलाफ सबूत के तौर पर कई तस्वीरें और 92 वीडियो अदालत में पेश किए थे। अदालत ने आशंका जताई कि ये सामग्री जासूस की मदद से जुटाई गई है।

तिहाड़ जेल को शिफ्ट करने की तैयारी, नरेला में बनेगी नई जेल

दिल्ली सरकार ने डीडीए से मांगी 27 एकड़ जमीन,बनेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल पर कैदियों के भारी दबाव को कम करने के लिए सरकार ने नरेला में एक और नई जेल बनाने का प्रस्ताव दिया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने बताया कि सरकार की लंबी अवधि की योजना तिहाड़ जेल कॉम्प्लेक्स को पूरी तरह से शहर के बाहरी इलाके में शिफ्ट करने की है, जिसके लिए उपयुक्त जमीन की तलाश की जा रही है। गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि तिहाड़ अभी शहर के बीचों-बीच स्थित है, ऐसे में इसे घनी आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

जमीन मिलने के बाद तैयार की जाएगी रिपोर्ट

आपको बता दें कि यह कदम तिहाड़ में सालों से जारी ओवरक्राउडिंग (अत्यधिक भीड़) की समस्या को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। जमीन का आवंटन होने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें जेल के डिज़ाइन, क्षमता, सुरक्षा सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुमानित लागत का पूरा खाका तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित नई जेल नरेला में पहले से निर्माणाधीन हाई-सिक्योरिटी जेल कॉम्प्लेक्स के पास ही बनाई जाएगी।

केरलम-कर्नाटक में कोहराम,जम्मू-कश्मीर में तबाही

- उत्तर से दक्षिण तक भारी बारिश ने मचा दिया है आतंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं।

तमिलनाडु में 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5सीसी से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है।

दो कारें बहीं और सड़कों पर भरा मलबा

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में शनिवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। कई मकानों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, दो कारें बह गईं और सड़कों पर मलबा भर गया। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़, डोडा और रामबन के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। चमोली के गौचर के पास कमेड़ा में बद्रीनाथ हाईवे का 20 मीटर हिस्सा धंस गया, जिससे यातायात वन-वे कर दिया गया है। मौसम विभाग ने 7 अगस्त तक मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है।

ईरानी सुप्रीम लीडर को तलाशने में मोसाद,सीआईए के छूटे पसीने

मोजतबा खामेनेई ने 150 दिन से नहीं उठाया फोन

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की तलाश में इजरायल और अमेरिका खुफिया एजेंसी पूरी तरह से लगी हुई हैं। ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इजरायल की मोसाद और अमेरिका की सीआईए मिलकर ईरान के नए सर्वोच्च नेता के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। मोजतबा को फरवरी के आखिर में उनके पिता तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के

बाद से नहीं देखा गया है। उस हमले में वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्टों से पता चलता है कि मोजतबा खामेनेई की हालत ठीक नहीं है। उनकी चोटों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आई हैं, जिसमें गंभीर चोटों से लेकर शरीर का बिगड़ना शामिल हैं। कहा जाता है कि उन्हें बोलने में भी समस्या होती है।

मोसाद एजेंटों की मदद से कर रहा तलाश

द टाइम्स ने दावा किया कि मोसाद ईरान में अपने एजेंटों के जरिए मोजतबा के जिंदा रहने और उनके छिपने के ठिकाने का पता लगाने पर ध्यान दे रहा है। मोसाद के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि मोजतबा हो सकता है फोन का इस्तेमाल न कर रहे हों, लेकिन अगर वह जिंदा हैं तो बातचीत का कोई दूसरा तरीका जरूर अपना रहा होगा, जैसे कागज की पर्चियों पर संदेश भेजना। ऐसे में मोसाद के लिए मोजतबा को ढूढ़ने का जरिया इंसानी ही होगा। अखबार ने दावा किया कि सीआईए ने ओसामा बिन लादने का पता भी इसी तरह लगाया था।

दिन के उजाले में बाहर नहीं आते मोजतबा

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई दिन के उजाले में बंकर से बाहर नहीं निकलते हैं। उन्हें है कि अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट उन्हें पहचान सकते हैं। यही वजह है कि मोजतबा का पता लगाने के लिए इजरायल और अमेरिका को ईरान के अंदर मौजूद जासूसों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस बीच खुफिया समुदाय में एक चर्चा इस बात पर भी हो रही है कि मोजतबा की मौत या तो 28 फरवरी को हो गई थी या बाद में जख्मों की वजह से जान चली गई थी और आईआरजीसी के अधिकारी उनके जिंदा होने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक से सपा का बहिष्कार

4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक का सपा ने बहिष्कार कर दिया। सपा का कोई भी विधायक बैठक में नहीं पहुंचा। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का

सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है।

मंत्री राजभर बोले-सरकार चर्चा के लिए तैयार

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- सरकार पूरी तरह तैयार है। अनुपूरक बजट लाने के लिए सरकार ये सत्र बुला रही है। वे (विपक्ष) हर सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी करते हैं, लेकिन सदन में जब सरकार चर्चा के लिए तैयार होती है, तब सदन छोड़कर भाग जाते हैं। कांग्रेस और सपा के लोग ही पेपर लीक में लिप्त हैं, कड़ा कानून बन जाएगा तो उन्हें कैसे बचा पाएंगे। उन्हें बचाने के लिए ये लोग चिंतित हैं।

हरिद्वार में कांवड़ खंडित होने पर विवाद, कार चालक को पीटा

हरिद्वार (एजेंसी)। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात करीब 8:30 बजे हाईवे फ्लाईओवर के पास गोल्डन ढाबा के निकट कांवड़ खंडित होने के बाद दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया था और बाद में पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हरिद्वार से दिल्ली जा रही एक ऑल्टो कार की टक्कर रास्ते में एक कांवड़िए की कांवड़ से हो गई। कार चालक भी कांवड़ यात्रा से लौट रहा था और अपने साथ गंगाजल लेकर दिल्ली जा रहा था। टक्कर के कारण कांवड़ खंडित हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ कांवड़ियों ने कार चालक के साथ मारपीट की, उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और वाहन में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद पुलिस ने गंगनहर निवासी राजा उर्फ राजेश को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कांवड़ यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं से शांति, संयम और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है, इसलिए सभी श्रद्धालु आपसी सौहार्द बनाए रखें। यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था भंग करने या हिंसा फैलाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से शुरू हुई है और सावन शिवरात्रि के अवसर पर 11 अगस्त तक जारी रहेगी। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार सुबह 4:14 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 दर्ज की गई। इसका केंद्र दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कम तीव्रता होने के कारण भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि तड़के आए झटकों से कई लोग कुछ देर के लिए घरों से बाहर निकल आए। विशेषज्ञों का कहना है कि कम गहराई पर आने वाले भूकंप के झटके सतह पर अपेक्षाकृत अधिक महसूस होते हैं, लेकिन यदि तीव्रता कम हो तो नुकसान की संभावना भी काफी कम रहती है। दिल्ली और आसपास का क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है और यहां समय-समय पर हल्के भूकंप दर्ज होते रहते हैं।

झारखंड में साइबर ठगों का नया तरीका : लूडो ऐप और वापसी के झांसे से 12.9 लाख की ठगी

रांची(एजेंसी)। झारखंड, विशेषकर रांची में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसमें अपराधी नए-नए पैंतरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ताजा घटनाओं में, रांची में दो व्यक्तियों से कुल 12 लाख 90 हजार रुपये से अधिक की साइबर ठगी की गई है। इसमें एक मामला लूडो ऐप डाउनलोड कराने और फिर राशि वापस दिलाने के नाम पर हुए फर्जीवाड़े का है, जबकि दूसरा अवैध निकासी का। साइबर थाना में हुंडरु निवासी 23 वर्षीय सुभाष कुमार ने 9 लाख 81 हजार रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, दिसंबर 2025 में एक अज्ञात व्यक्ति ने सुभाष को लूडो ऐप का एपीके लिंक भेजकर पैसे जीतने का लालच दिया और ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद 18 से 29 दिसंबर 2025 के बीच उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाते से 66 हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। फरवरी से जून 2026 के बीच, ठगों ने राशि वापस दिलाने के नाम पर एक और ऐप डाउनलोड कराया और उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से करीब 9.15 लाख रुपये अन्य खातों में भेजवा लिए। कुल 9.81 लाख रुपये गंवाने के बाद, सुभाष ने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर पोर्टल पर पांच शिकायतें दर्ज कराईं और अब पुलिस से राशि वापसी व कार्रवाई की मांग की है। वहीं टाटीसिलवे निवासी अखिलेश पांडे ने भी साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके बैंक खाते से 3 लाख 9 हजार रुपये की अवैध निकासी हुई है, जिसका पता उन्हें 1 जून को बैंक बैलेंस चेक करते समय चला। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि ठगी की गई राशि कहां गई और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

न्याय प्रदर्शन में गोपनीयता भंग : दुष्कर्म पीड़िता की पहचान सार्वजनिक होने पर कानूनी सवाल

गोरखपुर(एजेंसी)। एक सिपाही की हैवानियत का शिकार बनी बिटिया को न्याय दिलाने के लिए आल इंडिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजुकेटेड एसोसिएशन ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। हालांकि, संवेदना व्यक्त करने और न्याय की मांग के इस भावनात्मक माहौल में, संगठन से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की पहचान सार्वजनिक करने की भूल हो गई, जो ऐसे मामलों में स्पष्ट कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है। एसोसिएशन के महानगर अध्यक्ष ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा कि यह सब गुस्से और भावुकता के माहौल में अनजाने में हुआ। यह लापरवाही केवल सड़क पर प्रदर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर भी इसका व्यापक दर्शन हुआ। कई यूट्यूबरों ने घटना स्थल से रिपोर्ट करते हुए बिटिया की तस्वीर फ्लैश की, वहीं अन्य कंटेंट क्रिएटरों ने भी रोष में होश खोकर बालिका की तस्वीरें और पहचान साझा कर दीं। एडवोकेट कृष्णानंद तिवारी ने ऐसी लापरवाही को कानूनी दिक्कत का कारण बताया। वहीं, गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष पांडेय ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, भावुकता में लोग प्राय: नियम और नैतिकता को भूल जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी मुद्दे पर संवेदनशीलता एवं भावुकता होने के साथ-साथ समझदारी और व्यक्तिगत निजता का सम्मान भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि सामूहिक हित में काम करते हुए भी किसी की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

केरल और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 9 लोगों की मौत, 6 लापता

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। केरलम में भारी बारिश से लैंडस्लाइड और बाढ़ से 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लापता बताए जा रहे हैं। सरकार ने 65 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 1465 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

देश के कई राज्यों में बारिश ने बिगाड़े हालात, कई जगह फटे बादल गाड़ियां बहीं

असम में 80 मौतें, ओडिशा में कई गांव डूबे, केरल में बारिश का कहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रहा है। जम्मू-कश्मीर से केरल तक बादल फटने से हाहाकार मचा हुआ है। गुजरात से ओडिशा तक आसमानी आफत से लोग परेशान हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। कश्मीर के शोपियां और किश्तवाड़ में बादल फटने भारी तबाही हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर से केरल तक मानसून की मूसलाधार बारिश से हाहाकार मचा है। बादल फटने से पहाड़ी इलाकों में भारी तबाही मची है तो मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ से हजारों लोग परेशान हैं। लैंडस्लाइड और पहाड़ के दरकने से अमरनाथ यात्रा बाधित हुई है तो सड़कों पर बड़े-बड़े बोल्डर और मलबे ने चार धाम यात्रा पर भी ब्रेक लग दिया है। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से गांव के गांव डूब गए तो केरल में भी मॉनसून का कहर जारी है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और शोपियां में

बादल फटने से भारी तबाही हुई, जिसमें गाड़ियां बह गईं और नेशनल हाईवे बंद हो गए। तबाही की तस्वीरें किश्तवाड़ के चन्नू इलाके से भी आई हैं, यहां देर रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर बादल फटने की घटना हुई। पानी का बहाव इतना तेज था कि इसमें गाड़ियां बह गईं। कई मकानों को भी सैलाब ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोगों की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। केरल के कई इलाके बाढ़ से जलमग्न हैं तो पूर्वोत्तर राज्य असम में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। विनाशकारी बाढ़ ने लोगों को सड़क पर ला दिया है। बाढ़ प्रभावित लोगों को अब खाने के लाले पड़ गए हैं। असम में बाढ़ से 80 मौतें हो चुकी हैं। 2.12 लाख लोग प्रभावित हैं।

गुजरात में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई सोसाइटियां सैलाब की चपेट में हैं। लोगों के घरों में पानी घुस गया है। हालत ये है कि नाव की मदद से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा और नवसारी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 से 48 घंटों में बहुत भारी बारिश हो सकती है।

शाह के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने पर जीरो एफआईआर

-जांच मैसूर पुलिस को सौंपी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के मामले में लद्दाख पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है। लेह पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला आगे की जांच के लिए कर्नाटक के मैसूर स्थित देवराजा पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया है। मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेश परमार के खिलाफ दर्ज किया गया है। लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी ने फेसबुक पर एक वीडियो का लिंक साझा किया, जिसमें गृह मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां की गई थीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह की सामग्री से समाज में वैमनस्य फैल सकता है, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और सामाजिक तथा सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचने की आशंका है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इन धाराओं के तहत दोष सिद्ध होने पर दो से तीन वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। अधिकारियों के अनुसार, घटना का क्षेत्राधिकार मैसूर के देवराजा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। इसी कारण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए पहले लेह में जीरो एफआईआर दर्ज की गई और बाद में केस डायरी तथा अन्य दस्तावेज आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए। अब मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई मैसूर पुलिस करेगी। जीरो एफआईआर ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत किसी भी पुलिस थाने में, क्षेत्राधिकार की परवाह किए बिना, प्रारंभिक प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इसके बाद मामला जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया जाता है।

बाढ़ पीड़ित शिवसागर और चराइदेव के रहवासियों का एक साल का भूमिकर माफ

-सीएम सरमा ने फैसले की घोषणा कर कहा यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर और चराइदेव जिलों के लोगों का एक साल की अवधि तक भूमि कर माफ किया जाएगा। ये दोनों जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ के कारण अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम हिमंत विसवा सरमा ने 'फेसबुक लाइव' सत्र में इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा कि इन दोनों जिलों में 300 यूनिट से कम बिजली की खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं का जुलाई का बिजली बिल भी माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की, जिसमें सरकार ने उनसे कहा कि वे बाढ़ प्रभावित शिवसागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिलों के लोगों के बीमा दावों का त्वरित और बिना किसी परेशानी के निपटारा सुनिश्चित करें। सरमा ने कहा कि बीमा कंपनियों ने एक सरल प्रपत्र जारी करने और जरुरी दस्तावेजों की संख्या को कम करने का वादा किया है ताकि इन चार जिलों के लोगों के बीमा दावों के निपटारे में आसानी हो सके।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही कंपनियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं कि वे बाढ़ प्रभावित जिलों में बीमा दावों का शीघ्र निपटारा करें। सीएम ने कहा कि जीवन बीमा दावों का लाभ लेने के लिए कंपनियां मृतकों के नाम वाली सरकारी सूची को स्वीकार करेंगी और मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि जहां जरुरी होगा, वहां क्षतिग्रस्त मकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का वीडियो सर्वेक्षण किया जाएगा। सीएम राहत कोष से मकानों की मरम्मत के लिए 15,000 रुपए की अंतरिम सहायता पाने वाले परिवारों के बारे में जानकारी साझा करते हुए सरमा ने कहा कि शिवसागर में लगभग 55,000 परिवार, चराइदेव में 20,000, जोरहाट में 7,000 और गोलाघाट में 3,000 परिवार इस सहायता के लिए पात्र होंगे और यह राशि 3 से 5 अगस्त के बीच वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार भी हो सकते हैं जो अभी भी अपने मकानों को रहने योग्य स्थिति में नहीं ला पाए हों। उनके लिए सरकार 10 अगस्त को अतिरिक्त 10,000 रुपए की मदद प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 से 2.5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

नीट पीड़ितों से मुलाकात कर बोले राहुल गांधी- छात्रों को नहीं, प्रधानमंत्री को मांगनी चाहिए माफी

-पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के भविष्य का मुद्दा उठाया, परिसीमन को लेकर भाजपा पर भी साधा निशाना

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई दौरे के दौरान नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नीट प्रभावित छात्रों तथा जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उन छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए, जिनका भविष्य कथित पेपर लीक और उससे उपजे संकट से प्रभावित हुआ।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखना सबसे पीड़ादायक अनुभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद न तो प्रधानमंत्री पीड़ित परिवारों से मिले और न ही उन छात्रों से बातचीत की, जिनका भविष्य इस विवाद से प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि

सरकार को केवल बयान देने के बजाय प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों द्वारा उनके और उनकी माता के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह उन बच्चों को माफ करते हैं, क्योंकि बचपन गलतियों को सुधारने का समय होता है।

चेन्नई दौरे के दौरान राहुल गांधी ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन तमिलनाडु के लोगों के राजनीतिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है। राहुल ने कहा कि इससे राज्य के प्रतिनिधित्व और अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि जो भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु के हितों के साथ समझौता कर रहा है और राज्य के भविष्य के साथ अन्याय कर रहा है। राहुल गांधी के इस दौरे और बयानों के बाद नीट विवाद तथा परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इन दोनों विषयों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रचने वाला निकला जैश का आतंकी

--बंगाल एसटीएफ का दावा- नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने जुटा रहा था जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। हमीम मंडल, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसपैठ करने वाला था। एसटीएफ के आईजी ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि बंगाल सीएम शुभेंदु समेत कई नेता और पुलिस अधिकारी उसके निशाने पर थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मंडल पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। उनके कहने पर ही नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने और जानकारी जुटा रहा था। जांच में उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया चैट से वाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तान कॉन्टेक्ट्स के सबूत मिलने का दावा किया गया है। एसटीएफ ने शुक्रवार रात अर्पिता सरकार नाम की महिला को भी गिरफ्तार किया है, जो मंडल की सहयोगी और गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। एसटीएफ ने दावा किया कि मंडल और उसकी गर्लफ्रेंड ने मिलकर पश्चिम बंगाल के एक राज्य मंत्री के बेटे को हनी-ट्रैप में फंसाने की साजिश रची थी। इन दोनों ने मंत्री के बेटे को किडनैप करने और परिवार से पैसे ऐंठने का प्लान बनाया था। एसटीएफ के एक सीनियर अफसर ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच की जा रही है। अर्पिता और मंडल ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के कहने पर सेंसिटिव जानकारी निकालने के लिए असरदार लोगों के साथ पर्सनल रिश्ते बनाने की योजना बनाई थी। दोनों पिछले चार साल से कॉन्टैक्ट में थे, पहले इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई और बाद में पर्सनली मिले। एसटीएफ के मुताबिक 23 साल का हमीम मंडल हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे। मंडल को सीएम की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा था। उसे उन जगहों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा था जहां सीएम बिना सुरक्षा के रह सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक महिला ऑपरेट कर रही थी। सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से ऑफिसर्स को मंडल का पता चला।

शंकराचार्य चौक पर डीएम और एसएसपी ने कांवड़ियों का किया स्वागत, फल, जूस व पेयजल वितरित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सावन माह की कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार को शंकराचार्य चौक पर सेवा और श्रद्धा का भाव देखने को मिला। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ शंकराचार्य चौक पहुंचकर फूल कांवड़ लेकर जा रहे शिवभक्तों का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं का कुशलक्षेम भी जाना और उनकी यात्रा मंगलमय होने की कामना की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ियों को फल, जूस, पेयजल तथा अन्य अल्पाहार वितरित किए। श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए यात्रा के दौरान उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने शिवभक्तों से प्राप्त सुझावों और फीडबैक को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कांवड़ियों ने हरिद्वार पुलिस और जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष के बीच अपने-अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा,

सुरक्षा और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

इस मौके पर जनपद के अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने शिवभक्तों की सेवा करते हुए उन्हें फल, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। प्रशासन ने कहा कि कांवड़ यात्रा के समापन तक श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तत्परता के साथ जारी रहेंगी।

कांवड़ यात्रा में स्वास्थ्य सेवाएं मुस्तैद, चौथे दिन 15,010 शिवभक्तों का निशुल्क उपचार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में कांवड़ पटरी मार्ग सहित जनपद के 32 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां यात्रा के दौरान अस्वस्थ होने या चोटिल होने वाले श्रद्धालुओं का तत्काल निशुल्क उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सक एवं पैराचिकित्सा कर्मियों की टीमें चौबीसों घंटे सेवा में जुटी हैं, जिससे शिवभक्तों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा के

चौथे दिन विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों में कुल 15,010 शिवभक्तों का निशुल्क उपचार किया गया। इसके साथ ही यात्रा शुरू होने से अब तक कुल 34,076 श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल चुका है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पहली बार कांवड़ यात्रा में चार चलित चिकित्सा इकाइयों को भी शामिल किया गया है, जो विभिन्न मार्गों पर पहुंचकर जरूरतमंद श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी शिविरों में पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों, एम्बुलेंस तथा प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने शिवभक्तों से यात्रा के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, समय-समय पर विश्राम करने तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर निकटतम स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार लेने की अपील की। जिला प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के समापन तक श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी सक्रियता के साथ जारी रहेंगी।

मैं बहुत खुश हूं, पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया, यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है

-प्रधानमंत्री को प्रदर्शन में आपत्तिजनक शब्द कहने वाली लड़की का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की का एक और नया वीडियो सामने आया है। इस नए वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही है कि मैं बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। वीडियो में लड़की आगे कहती है कि एक तरह से यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है। मैंने इतनी बड़ी गलती की थी कि मैंने बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि मुझे माफ कर दिया जाएगा। एक बार तो मुझे लगा था कि मेरा सबकुछ खत्म हो गया है, लेकिन पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। उसने बताया कि पीएम मोदी ने मुझे माफ किया तो मैं रोने लगी थी, क्योंकि जिस इंसान के बारे में मैंने इतने बुरे अपशब्द कहे थे, उसी ने मुझे माफ कर दिया।

इससे पहले भी लड़की ने एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह पूरे देश के लोगों से माफी मांगती नजर आ रही थी। उसने इस वीडियो में कहा था कि मैं बहुत शर्मिंदा हूं। साथ ही उसने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए कहा था कि वह सिर्फ 15 साल की है, क्योंकि नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में उसकी उम्र 25 साल बताई गई थी। खास बात यह है कि लड़की को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने पूरे देश के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी है।

बता दें पुलिस के मुताबिक 23 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में लड़की ने पीएम मोदी के बारे में अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस घटना की शिकायत गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता स्मृति सिंह ने दिल्ली में दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर नोएडा पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि युवती के इस कृत्य से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। बयान को जानबूझकर विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिक या सामाजिक तनाव पैदा करने और लोक शांति भंग करने की मंशा से दिया गया था। नोएडा पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन धाराओं में दो से तीन साल तक की सजा और जुर्माना दोनों लगाए जा सकते हैं।

मंदिरों में जलाभिषेक को लेकर नगर निगम ने तैयारी की पूर्ण, कांवड़ मार्गों पर भी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन के पहले सोमवार और कांवड़ महोत्सव को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने अपनी तैयारियों अंतिम रूप दे दी हैं। श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा तथा सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम के निर्माण विभाग ने दिन-रात कार्य करते हुए पूरे निर्धारित कांवड़ मार्ग पर व्यापक स्तर पर बैरिकेडिंग, सड़क मरम्मत और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। नगर निगम का दावा है कि इस बार कांवड़ यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। गाजियाबाद नगर निगम के निर्माण विभाग ने लगभग 20 किलोमीटर लंबे निर्धारित कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग करा दी है। मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली गलियों के बाहर भी बांस और बल्लियों से मजबूत बैरिकेडिंग की गई है, ताकि अनावश्यक आवाजाही रोकी जा सके और कांवड़ यात्रियों का मार्ग सुरक्षित बना रहे। सुरक्षा के मद्देनजर कांवड़ मार्ग पर आने वाले नालों के आसपास भी विशेष बैरिकेडिंग की गई है। सावन के पहले सोमवार को श्रीदूधेश्वर नाथ मठ मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर के बाहर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। वहीं श्रद्धालुओं को धूप से राहत देने के उद्देश्य से जस्सीपुरा मोड़ से लेकर श्रीदूधेश्वर नाथ मठ मंदिर तक बैरिकेडिंग के ऊपर ग्रीन नेट लगाया गया है, जिससे पैदल चलने वाले कांवड़ियों को छाया मिल सके। नगर निगम ने साईं उपवन में

भी व्यापक स्तर पर मरम्मत और व्यवस्थाओं का कार्य कराया है। हर वर्ष लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री यहां विश्राम करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए परिसर को दुरुस्त करने के साथ-साथ झूला क्षेत्र के आसपास भी विशेष बैरिकेडिंग कराई गई है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ महोत्सव को लेकर नगर निगम के प्रकाश, जलकल, उद्यान, स्वास्थ्य और निर्माण विभाग लगातार संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम का लक्ष्य कांवड़ यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। मेरठ रोड स्थित कंट्रोल रूम से नगर निगम सीमा के भीतर पूरे कांवड़ मार्ग की निगरानी की जाएगी। इसके लिए इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के पहले से स्थापित 129 कैमरों के अलावा 205 अतिरिक्त कैमरे कांवड़ मार्ग पर लगाए गए हैं। सभी कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है, जिससे हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा सके। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी कांवड़ मार्गों को पूरी तरह गड्ढामुक्त कर दिया गया है तथा जहां आवश्यकता थी वहां पेचवर्क भी कराया गया है। निर्माण विभाग की टीमें पूरी कांवड़ यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों पर तैनात रहेंगी। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग (PWD) और सिंचाई विभाग के अंतर्गत आने वाले मार्गों पर भी समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। कैमरा इंस्टॉलेशन, सड़क मरम्मत, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था जैसे सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। नगर आयुक्त के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इंदिरापुरम पुलिस ने देह व्यापार किया का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए इंदिरापुरम के न्यायखंड-3 स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी कर देह व्यापार के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान तीन पुरुष आरोपियों और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से दो मोबाइल फोन और 8,800 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम एवं थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम को सूचना मिली कि न्यायखंड-3 स्थित फ्लैट संख्या 648-ए में भोली-भाली और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को बहला-फुसलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल फ्लैट पर छापा मारा, जहां अनैतिक गतिविधियां संचालित होती मिलीं। मौके से आरिफ, सगुन गुप्ता उर्फ राज, अजय गुप्ता तथा एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने

पुलिस को बताया कि वे मोबाइल फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करते थे। महिलाओं की तस्वीरें भेजकर सौदा तय किया जाता था और ग्राहकों से मोटी रकम वसूली जाती थी। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वह महिलाओं को रोजगार और अधिक पैसे का लालच देकर इस धंधे में धकेलते थे। ग्राहकों से मिलने वाली रकम का कुछ हिस्सा महिलाओं को दिया जाता था, जबकि अधिकांश धनराशि आरोपी अपने पास रखते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और 8,800 रुपये नकद बरामद किए। बरामद मोबाइल फोन के आधार पर पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और संभावित ग्राहकों की भी जांच कर रही है। साथ ही आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनका संबंध किसी बड़े नेटवर्क से तो नहीं है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्य बली मौर्य ने बताया कि महिलाओं के शोषण और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए क्षेत्र में लगातार अभ्यास चल रहा है। ऐसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील कि यदि उनके आसपास इस प्रकार की कोई संदिग्ध गतिविधि संचालित होती दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई कर अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधि का संचालन नहीं होने दिया जाएगा।

भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं ने पदों से दिया इस्तीफा

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी हापुड़ में वरिष्ठ नेता विनीत दीवान तथा उत्तरी मंडल के नगर उपाध्यक्ष मनीष कुमार अग्रवाल ने अपने-अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया है। दोनों नेताओं ने जिलाध्यक्ष को पत्र भेजकर पदमुक्त किए जाने का अनुरोध किया है। मनीष अग्रवाल ने स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से दूरी बनाने की बात कही है। वहीं विनीत दीवान ने अपने पत्र में 37 वर्षों के राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि अब वे भगवान की भक्ति और समाज सेवा में समय देना चाहते हैं।

उन्होंने पत्र में यह भी लिखा कि वर्तमान परिस्थितियों में मूल भाजपा एवं संघ कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है। उनके त्यागपत्र के बाद जिले की राजनीति में चचाओं का दौर तेज हो गया है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि संगठन सभी कार्यकताओं के योगदान का सम्मान करता है और आगे भी उनका मार्गदर्शन लेता रहेगा।

रावली तटबंध हुआ मजबूत, गंगा के बढ़ते जलस्तर पर सिंचाई विभाग की चौबीसों घंटे निगरानी

बिजनौर (शिखर समाचार)। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए रावली तटबंध पर कराए गए बाढ़ सुरक्षा कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे होने के बाद सिंचाई विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। विभागीय अधिकारी तटबंध की सुरक्षा पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। तटबंध की स्थिति से संबंधित नियमित प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को भेजे जा रहे हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जा सकें। बिजनौर जनपद में गंगा नदी 100 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में प्रवाहित होती है। पूरे क्षेत्र में रावली तटबंध ही बाढ़ से सुरक्षा का प्रमुख साधन है, जिसकी देखरेख मध्य गंगा नहर निर्माण खंड-5 के जिम्मे है। गत वर्ष तटबंध का लगभग एक

किलोमीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन विभाग की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के कारण बाढ़ का पानी आबादी और कृषि भूमि तक नहीं पहुंच सका। इसके बाद अधिशासी अभियंता करण पाल सिंह के नेतृत्व में क्षतिग्रस्त हिस्से के पुनर्निर्माण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया गया। विभाग ने एसीबीएम तकनीक के माध्यम से तटबंध को निर्धारित मानकों के अनुरूप पुनर्निर्मित किया। साथ ही सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तीन नए जलरोधक अवरोध (स्पर) तथा एक नया तट संरक्षण ढांचा (स्टड) तैयार किया गया, जबकि आधा दर्जन पुराने तट संरक्षण ढांचों की मरम्मत कर उन्हें भी सुदृढ़ बनाया गया। सिंचाई विभाग ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधनों की व्यवस्था कर रखी है। अवर अभियंता ओमकार सिंह तथा मोहम्मद आरिफ ने बताया कि रावली से शीश महल तक पूरे तटबंध की लगातार निगरानी की जा रही है। तटबंध के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भरोसा बढ़ा है। उनका कहना है कि फिलहाल तटबंध की मजबूती के कारण बाढ़ से फसलों और आबादी को किसी प्रकार का खतरा नहीं दिखाई दे रहा है।

शरारती तत्वों से क्षतिग्रस्त पिंडदान स्थलों का पुनर्निर्माण शुरू, नगर पालिका ने दिखाई तत्परता

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। कोतवाली मार्ग स्थित प्राचीन श्मशान घाट के समीप शरारती तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए पिंडदान स्थलों के मामले में नगर पालिका प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके पुनर्निर्माण का कार्य शुरू करा दिया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर शुक्रवार दोपहर से ठेकेदार ने तीनों पिंडदान स्थलों के पुनर्निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया, जो तेजी से कराया जा रहा है। प्रशासन की इस पहल से स्थानीय नागरिकों में संतोष का माहौल है। कोतवाली मार्ग पर स्थित प्राचीन श्मशान घाट के निकट करूला नदी पुल के किनारे वर्षों पुराने तीन पिंडदान स्थल बने हुए हैं। इन स्थलों पर अंतिम संस्कार के दौरान परंपरा के अनुसार अर्थी रखकर पिंडदान से जुड़ी धार्मिक रस्में निभाई जाती हैं। बताया गया कि इनमें से दो पिंडदान स्थलों को करीब दो वर्ष पूर्व शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद बृहस्पतिवार रात हुई भारी वर्षा का लाभ उठाकर अज्ञात लोगों ने तीसरे पिंडदान स्थल को भी तोड़ दिया। शुक्रवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने स्थल की स्थिति देखी तो उनमें रोष फैल गया। लोगों ने तत्काल जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। घटना की चर्चा सामाजिक माध्यमों पर भी तेजी से फैल गई और मामला प्रमुखता से सामने आया। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार के निर्देश पर ठेकेदार को तत्काल पुनर्निर्माण का कार्य शुरू करने के आदेश दिए गए। शुक्रवार दोपहर से तीनों पिंडदान स्थलों का नए सिरे से निर्माण प्रारंभ कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए मांग की है कि भविष्य में ऐसे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पुलिस लाइन में नि :शुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित, पुलिसकर्मियों व परिजनों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

शामली (शिखर समाचार)। पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को पुलिस लाइन शामली में नि :शुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। शिविर का उद्देश्य पुलिस परिवार को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सकों की टीम ने सामान्य और दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों की जांच कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप उपचार और दवाइयां प्रदान कीं। चिकित्सकों ने प्रतिभागियों को संतुलित आहार अपनाने, नियमित दिनचर्या का पालन करने, तनाव से बचने तथा बदलते मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की भी सलाह दी। साथ ही विभिन्न रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और उपलब्ध कराई गई निशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि पुलिस परिवार के बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के समापन पर चिकित्सकों, पैराचिकित्सा कर्मियों तथा आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की गई।

कांवड़ सेवा शिविरों में सेवा, स्वच्छता और सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शामली (शिखर समाचार)। सावन माह की कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद के विभिन्न कांवड़ सेवा शिविरों में शिवभक्तों की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं को भोजन, पेयजल, चिकित्सा सहायता, विश्राम स्थल, स्वच्छ शौचालय तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति भी श्रद्धालुओं को लगातार जागरूक किया जा रहा है, जिससे धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी प्रसारित हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन की भावना के अनुरूप अधिकांश सेवा शिविरों में अस्थायी शौचालय और स्नान की व्यवस्था की गई है। नगर पंचायत की ओर से उपलब्ध कराए गए अस्थायी शौचालयों की नियमित सफाई कराई जा रही है, ताकि स्वच्छता बनी रहे और संक्रमण फैलने की आशंका न हो। कांवड़ियों की सुविधा के लिए दोपहिया और चारपहिया वाहनों की

अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने में स्वयंसेवक, चिकित्साकर्मी और पुलिसकर्मी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। शिविर संचालक कुशांक चौहान ने बताया कि स्वयंसेवकों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वे भोजन वितरण, पेयजल उपलब्ध कराने, सफाई व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा और श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन का कार्य पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कई शिविरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि पुलिस की नियमित गश्त भी जारी है। ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल, हनुमान धाम और गुलजारी वाला मंदिर सहित विभिन्न सेवा शिविरों में प्लास्टिक का उपयोग कम करने का संदेश दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं को स्टील और कागज के बर्तनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही पौधरोपण और स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है। सेवा, स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का यह समन्वय कांवड़ यात्रा को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और प्रेरणादायी बना रहा है।

व्यापारी सुरक्षा फोरम की संकल्प बैठक में 21 सूत्रीय एजेंडा पारित, संगठन सशक्त बनाने पर जोर

शामली (शिखर समाचार)। शहर स्थित सेंट आर.सी. स्कूल में रविवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान की संकल्प बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और व्यापारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को अधिक मजबूत बनाने तथा व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और व्यापारिक हितों के संरक्षण के उद्देश्य से 21 सूत्रीय राष्ट्रीय एवं व्यापारिक संकल्प पत्र सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में खुर्जा, मुरादाबाद, अलीगढ़, बिजनौर, नजीबाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ, गाजियाबाद और शामली सहित कई जनपदों के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया। संकल्प पत्र में व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन, संगठन में पारदर्शिता,

युवा एवं महिला इकाइयों को सशक्त बनाने, सदस्यता अभियान चलाने, डिजिटल माध्यमों से व्यापारियों की आवाज को प्रभावी बनाने, ऑनलाइन व्यापार में समान प्रतिस्पर्धा, सुलभ ऋण, कारोबारी ऋण कार्ड, डिजिटल सुरक्षा, स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन, पंजीकृत व्यापार को बढ़ावा, मिलावट और भ्रष्टाचार के विरोध, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा, व्यापारी उत्पीड़न के विरुद्ध संवैधानिक संघर्ष तथा प्रशिक्षण एवं तकनीकी उन्नयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री प्रदीप विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक अशोक गोयल, राष्ट्रीय महासचिव सच्चिदानंद शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिंगल, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनोद पहलवान, कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार गर्ग, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक नरेश धीमान सहित विभिन्न जनपदों से आए अनेक पदाधिकारी, ट्रस्टी और व्यापारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन को अनुशासित, सेवा-भावी और व्यापारियों के हितों के लिए समर्पित संस्था बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

खेत में सिंचाई के दौरान ट्यूबवेल में गिरने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के गांव जाफराबाद (साबोता) में खेत की सिंचाई करते समय एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्यूबवेल में गिरने से मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार किसान को अचानक दौरा पड़ा, जिससे वह संतुलन खो बैठा और ट्यूबवेल में जा गिरा। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। रविवार शाम गमगीन माहौल में किसान का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव जाफराबाद (साबोता) निवासी गौरी शंकर (40) शनिवार को अपने खेत में सिंचाई करने के लिए गए थे। वह ट्यूबवेल के पास खड़े होकर खेत में पानी लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें

दौरा पड़ा और वह सीधे ट्यूबवेल में गिर गए। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और आसपास के किसान तत्काल मौके पर पहुंचे तथा उन्हें बाहर निकालकर कस्बे के एक निजी चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गौरी शंकर को पहले भी दौरे पड़ते थे, हालांकि उन्हें किस बीमारी के कारण दौरे आते थे, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य बताई जा रही है, जिससे परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रविवार शाम ग्रामीणों और परिजनों की मौजूदगी में गौरी शंकर का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव के लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

संविदाकर्मी पर 6.46 लाख रुपये गबन का आरोप, न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मुरादाबाद स्थित कुमार एंटरप्राइजेज की ओर से न्यायालय में दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद खतौली पुलिस ने चीनी मिल में कार्य कर चुके एक संविदाकर्मी के खिलाफ 6 लाख 46 हजार 570 रुपये के कथित गबन और फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी प्राप्त करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कुमार एंटरप्राइजेज के हस्ताक्षरकर्ता देवेंद्र कुमार ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि राहुल मलिक पुत्र बाबूराम, निवासी ग्राम गोयला, थाना शाहपुर, जनपद मुजफ्फरनगर को संविदा के आधार पर खतौली चीनी मिल में कार्य के लिए नियुक्त किया गया था। कंपनी विभिन्न संस्थानों को संविदा पर कर्मचारी उपलब्ध कराती है। आरोप है कि राहुल मलिक को किसानों से संपर्क कर गन्ना विकास, रसायनों तथा कृषि दवाओं से संबंधित कार्यों के साथ विभिन्न मदों में धनराशि की वसूली की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। शिकायत के अनुसार जनवरी 2025 से सितंबर 2025 के बीच आरोपी ने किसानों से कुल 14 लाख 65 हजार 170 रुपये की वसूली की। इसमें से 8 लाख 18 हजार 600 रुपये कंपनी के खाते में जमा कराए गए, जबकि शेष 6 लाख 46 हजार 570 रुपये जमा नहीं किए गए। कंपनी का आरोप है कि दिसंबर 2025 में कर्मचारी के नौकरी छोड़ने के बाद अभिलेखों के मिलान के दौरान कथित अनियमितता सामने आई। जांच में आरोपी के शैक्षणिक प्रमाणपत्र भी फर्जी पाए जाने का दावा किया गया है। खतौली पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप, दो युवकों पर नामजद मुकदमा दर्ज

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप मेरठ जनपद के दो युवकों पर लगाते हुए स्थानीय कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित पिता ने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। आरोप है कि मेरठ जनपद के थाना फलावदा क्षेत्र के ग्राम अमरौली उर्फ बड़ा गांव निवासी अनुज पुत्र विनोद तथा अनित उर्फ छोटू पुत्र महेंद्र उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार 29 जुलाई की शाम दोनों युवकों को ग्रामीणों ने गांव में घूमते हुए भी देखा था। पिता का कहना है कि उसी रात जब परिवार के लोग जागे तो उनकी बेटी घर में नहीं मिली। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। युवती की बरामदगी और आरोपियों की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े महिला से सोने की चेन लूटकर फरार हुए स्कूटी सवार बदमाश, वारदात सीसीटीवी में कैद

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर की आदर्श नगर कॉलोनी में रविवार दोपहर दिनदहाड़े स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन लूट ली और मौके से फरार हो गए। वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। सुचेता पुरी कॉलोनी निवासी शशि बाला अपनी पुत्री के ससुराल, आदर्श नगर कॉलोनी में सिंधारा लेकर जा रही थीं। दोपहर के समय जब वह आदर्श नगर की गली नंबर-4 से गुजर रही थीं, तभी स्कूटी पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला के गले से सोने की चेन लूट ली और तेज गति से फरार हो गए। अचानक हुई घटना से महिला घबरा गई और शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे। घटना के तुरंत बाद महिला ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के मार्गों पर जांच-पड़ताल तथा बदमाशों की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। पीड़िता ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस को सौंप दी है। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

जर्जर बिजली लाइन बनी हादसे की वजह, करंट फैलने से मासूम गंभीर रूप से झुलसा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के मोहल्ला करीमपुरा में शनिवार देर रात जर्जर बिजली लाइन में आग लगने से तीन मकानों में करंट फैल गया। हादसे में एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। करीमपुरा निवासी वसीम ने बताया कि रात में पुरानी बिजली लाइन में अचानक आग लग गई और तारों से चिंगारियां

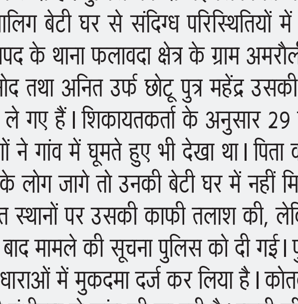

निकलने लगीं। इसी दौरान उनका पुत्र मोहम्मद कैफ रसोई में पानी लेने गया और पानी की टंकी में उतरे करंट की चपेट में आ गया। परिजनों ने लकड़ी के डंडे की सहायता से बच्चे को करंट से अलग कर अस्पताल पहुंचाया। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि वर्षों से जर्जर बिजली लाइन बदलने की मांग की जा रही थी, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। हादसे के बाद भी राहत टीम समय पर नहीं पहुंची। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने मामले की जांच के आदेश देते हुए कहा कि करंट मकानों तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी फर्मों के जरिये जीएसटी में पांच करोड़ की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

बरेली , एजेंसी। कैंट, इज्जतनगर और भमोरा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फर्जी फर्मों के जरिये पांच करोड़ से ज्यादा की जीएसटी धोखाधड़ी करने के दो आरोपियों को न्यारा पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से 17 बैंक पासबुक, फर्जी मोहरें, 20 बिल बुक, 12 पैनकार्ड, 21 आधार कार्ड, 37 डेबिट कार्ड, आठ यूपीआई क्यूआर स्कैनर आदि बरामद किए गए हैं।सीओ आशुतोष शिवम ने बताया कि कैंट, इज्जतनगर और भमोरा थाना क्षेत्रों में दर्ज फर्जी फर्मों के जरिये पांच करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस काफी समय से आरोपियों की तलाश कर रही थी। जांच के दौरान संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र के मोहल्ला नारायण टोला निवासी राहुल गुप्ता और बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला रतनपुरी निवासी गोविंद गुप्ता के नाम प्रकाश में आए। आरोपियों और इनके साथियों के नाम पर पंजीकृत फर्जी फर्मों की भी जानकारी मिली। पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी फर्मों व बैंक खातों का उपयोग कर जीएसटी धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताएं करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों की कई फर्जी फर्मों के बारे में भी पता लगा है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

नौकरी का झांसा देकर छात्रा से 10 लाख रुपये हड़पे

लखनऊ, एजेंसी। अयोध्या की आवास विकास कॉलोनी निवासी उदय भान शर्मा की बेटी कोमल से सरकारी नौकरी का झांसा देकर 10 लाख रुपये हड़प लिए गए। पीड़िता ने एसीपी सौम्या पांडेय से शिकायत की। उनके आदेश पर विभूतिखंड थाने में महिला समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इंदिरानगर में शक्तिनगर ढाल के पास रहने वाली कोमल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती हैं। उन्होंने बताया कि 11 मार्च को उनकी मुलाकात रिश्तेदार संजय शर्मा के माध्यम से राजकुमार शर्मा से हुई। उसने सरकारी नौकरी लगवाने की बात कही। आरोपी ने कोमल की मुलाकात लव कुमार तिवारी से कराई। आरोपियों ने कहा कि उनकी बड़े अफसरों तक पहुंच है। पहले भी कई लोगों को नौकरी दिलाई है। शासन में बात करके नौकरी लगवा देंगे। इसके एवज में 10 लाख रुपये मांगे। कोमल ने दो मई को किसान बाजार के पास अपने भाई के खाते से आरोपियों के बताए खाते में नौ लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। खाता अंजू देवी के नाम से था। कोमल ने बाकी एक लाख रुपये बाद में देने की बात कही। कोमल का कहना है कि सूची में जब उनका नाम नहीं आया तो उन्होंने आरोपियों से संपर्क किया। इस पर उन्होंने कहा कि दूसरी सूची में नाम आ जाएगा। इसके बाद बचे एक लाख रुपये भी ले लिए।दूसरी सूची में भी नाम न आने पर कोमल ने रुपये वापस मांगे। आरोप है कि इस पर उहें धमकाया गया। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद लव कुमार तिवारी, अंजू देवी, राजकुमार शर्मा और संजय शर्मा के खिलाफ ठगी की प्राथमिकी दर्ज की गई। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह का कहना है कि आरोपियों का पता लगाया जा रहा है। ज़ल्द ही आगे की कार्रवाई होगी।

खुद व सरकारी कर्मचारियों के सर्वे में 68 हजार मिले आवास विहीन

गोरखपुर , एजेंसी। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में लाभार्थियों के चयन के लिए शासन की ओर से सरकारी कर्मचारियों के अलावा लाभार्थियों ने खुद सर्वे किया था। इस तरह से खुद व सरकारी कर्मचारियों की जो सर्वे रिपोर्ट आई उसके अनुसार 68136 लोग आवास विहीन हैं। यह रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज दी गई है। अब वहीं से प्राथमिकता तय होगी कि कौन पात्र है ओर कौन अपात्र है। प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीब बेघर लोगों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। गांवों में रहने वाले लोगों को जिनके पास आवास नही है उनको पक्का घर बनवाने के लिए सरकार इस योजना में 1.20 लाख देती है। यह धनराशि तीन किस्तों में 40 हजार 70 व 10 हजार के रूप में दी जाएगी। इस योजना में पांच साल में एक बार सर्वे होता है। कोन पात्र है इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से सरकारी कर्मचारियों को लगाकर गांव-गांव सर्वे कराया गया। इसके अलावा शासन स्तर से यह भी कहा गया कि जो लोग चाहें तो वह लोग खुद अपना सर्वे कर रिपोर्ट भेज दें केंद्र सरकार को भेज दी जाएगी। इस तरह से 33784 लोगों ने खंद सर्वे कर यह बताया कि वह लोग प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्र हैं, उनके पास आवास नही है। दूसरी तरफ सरकारी कर्मचारियों ने 34352 लोगों का सर्वे कर बताया कि यह लोग पात्र हैं इन्हें प्रधानमंत्री आवास मिलना चाहिए। इस तरह से 68136 लोगों की सूची केंद्र सरकार को भेजी गई है। अब केंद्र सरकार की ओर से प्राथकिता तय की जाएगी कि कोन-कौन पात्र हें जिन्हें प्रधानमंत्री आवास मिलना चाहिए। पूरी प्रक्रिया कंप्यूटर के माध्यम से होगी। जो रिपोर्ट है उसे कंप्यूटर में फीड कर दिया गया है। लक्ष्य भी अब केंद्र सरकार की ओर से तय किया जाएगा। यह लक्ष्य तय होने के बाद पांच साल में लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। हर साल जिले के लाभार्थियों के नाम से आवास आएगा।जिसके नाम से आवास आएगा उसे दिया जाएगा।

छत से झड़ रहा प्लास्टर, रस्सियों से बंधी जालियां, प्रतापपुरा प्रधान डाकघर की ये तस्वीर डरा देगी

आगरा, एजेंसी। आगरा के बड़े डाकघरों में शामिल प्रतापपुरा प्रधान डाकघर इन दिनों जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। छत से प्लास्टर गिर रहे हैं। इससे पूरे हॉल में रस्सियों के सहारे सुरक्षा जालियां टांगी गई हैं। इससे कर्मचारियों और सैकड़ों ग्राहकों की सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है। प्रधान डाकघर के जिस हिस्से में जालियां लगाई गई हैं, वहां प्रतिदिन करीब 25 से 30 कर्मचारी कार्य करते हैं। रोजाना 200 से 300 ग्राहक इन्हीं जालियों के नीचे खड़े होकर स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री, बचत बैंक और अन्य डाक सेवाओं का लाभ लेते हैं। पूरे प्रधान डाकघर में करीब 125 कर्मचारी कार्यरत हैं। कर्मचारियों के अनुसार पहले भी प्लास्टर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं।प्रधान डाकपाल शशिकांत का कहना है कि भवन की मरम्मत की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। कर्मचारियों को अस्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा, ताकि डाक सेवाएं प्रभावित न हों।

मीडिया को देख चिल्लाई युवतियां, फर्जी कॉल सेंटर से हुई थीं गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। महमूरगंज स्थित शाही टॉवर में संचालित फर्जी कॉल सेंटर एनकेडी एसोसिएट्स में यूपी और बिहार के विभिन्न जिलों के 21 युवतियों समेत 32 लोग कार्यरत थे। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया।

डीसीपी क्राइम नीतू ने बताया कि इन लोगों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लोगों से करीब 1.25 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की। उनके कब्जे से 55 मोबाइल फोन, तीन कंप्यूटर, तीन फर्जी आधार कार्ड और एक ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किए गए हैं।

डीसीपी आरोपियों के बारे में जानकारी दे ही रहीं थी कि इसी बीच आरोपी युवतियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस पर आरोप लगाया कि उन्हें झूठा फंसा रहे हैं। पुलिस ने युवतियों को समझा बुझा कर शांत कराया। इसके बाद आगे की जानकारी दी। बाद में आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया और यहां से 21 युवतियों को निजी बॉन्ड पर जमानत दे दी गई।

युवतियों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें मीडिया में पेश करने से पहले बताया ही नहीं गया। पुलिस ने धोखे से गिरफ्तारी की है। बृहस्पतिवार की रात में सादे कागज पर हस्ताक्षर कराए गए और कहा गया कि सुबह छोड़ दिया जाएगा। फिर उन्हें मीडिया के सामने क्यों पेश किया गया है।

यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने छापेमारी के दौरान पांच अन्य लोगों को छोड़ दिया और 21 में से केवल 15 युवतियों को ही मीडिया के सामने क्यों पेश किया गया। युवतियों ने मीडिया को बताया कि वे 8 से 10 हजार रुपये मासिक वेतन पर काम कर रही थीं। कॉल करने के लिए मोबाइल नंबरों की सूची संचालक की ओर से उपलब्ध कराई जाती थी। उनके अनुसार, उनके खातों में केवल वेतन आता था और ठगी की रकम सीधे उनके खातों में नहीं आती थी। उन्हें बताया गया था कि संस्था सेबी में पंजीकृत है। बताया कि एचआर हेड अर्चना सिंह ने उनकी नियुक्ति कराई थी, लेकिन ऑफर लेटर मांगने पर भी नहीं दिया गया। युवतियों को शांत कराने के बाद डीसीपी क्राइम नीतू ने दोबारा प्रेसवार्ता शुरू की। डीसीपी क्राइम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, मिर्जापुर तथा बिहार के रोहतास जिले के निवासी शामिल हैं। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि गिरोह सबसे पहले शेयर बाजार, व्यापार और निवेश में रुचि रखने वाले लोगों के डेटा जुटाता था।

इसके बाद कॉल सेंटर में कार्यरत युवक-युवतियां खुद को सेबी में पंजीकृत संस्था एनकेडी एसोसिएट्स का प्रतिनिधि बताकर संपर्क करते थे। लोगों का भरोसा जीतने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। शेयर बाजार में मोटा मुनाफा दिलाने और निवेश संबंधी सलाह देने के नाम पर सदस्यता शुल्क तथा खाता प्रबंधन शुल्क विभिन्न बैंकों के क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी के माध्यम से जमा कराया जाता था। इस संबंध में भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि गिरोह के सरगना चंदौली के सकलडीहा स्थित तुलसी आश्रम निवासी अंबर सिंह मौर्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में भी टीमें गठित की गई हैं। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के तार दिल्ली या गुरुग्राम से भी जुड़े हो सकते हैं। फर्जी कॉल सेंटर पिछले तीन महीने से संचालित हो रहा था। भवन की दूसरी और तीसरी मंजिल पर इसका संचालन किया जा रहा था।

चंदौली सकलडीहा के तुलसी आश्रम निवासी सतीश मौर्या, विनय कुमार मौर्य, चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र के संघती निवासी संदीप कुमार मौर्य, भेलूपुर के खोजवा निवासी शिवम सिंह, सौरभ गुप्ता, अंशु मौर्य आरोपी हैं। इनके अलावा रोहनिया थाना क्षेत्र के काशीपुर निवासी अभिषेक मौर्य, मिर्जापुर के चुनार शिल्पी सीखड़ निवासी अमन गुप्ता, भेलूपुर के गौरीगंज निवासी पियूष जायसवाल, कैंट फुलवरिया निवासी अंकित राय, लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के संकठा नगर कॉलोनी निवासी शरद सिंह भी पकड़े गए हैं। चंदौली बलुआ थाना क्षेत्र के हरधनजूड़ा निवासी जागृति, खोजवा निवासी पूजा मौर्या, गाजीपुर गहमर के सेवराई निवासी प्रीति मौर्या, बिहार के रोहतास दिनारा निवासी खुशी राज, सारनाथ के सराय मोहाना निवासी बंधन, चौबेपुर के कादीपुर निवासी तनु यादव, मंडुवाडीह की गरिमा माथुर, मिर्जापुर के चुनार निवासी अंजनी मौर्या भी गिरफ्तार की गईं हैं। साथ ही कोतवाली के हरतीरथ निवासी आकांक्षा गुप्ता, मऊ के कोतवाली थाना क्षेत्र के भीटी निवासी सुरभि श्रीवास्तव, खोजवा की रहने वाली आस्था जायसवाल, सिगरा निवासी प्रतिभा राय, महमूरगंज निवासी खुशबू यादव, महमूरगंज शिवाजीनगर निवासी छाया कुमारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके आलावा अन्य आरोपियों में जौनपुर के भदेवरा निवासी मधु चौहान, गायघाट मैदागिन निवासी सृष्टि सिंह, चौक थाना क्षेत्र के छोटी पियरी निवासी सिमरन कुमारी, चौक के शीतला गली निवासी सेजल यादव, गाजीपुर के बरियाबाद थाना क्षेत्र के सरसोली निवासी श्रुति, गाजीपुर मोहम्मदाबाद पठानटोली निवासी सुमन यादव, चौकाघाट जेल रोड निवासी यशोदा गांधी हैं।

फर्जी कॉल सेंटर में काम करने वाली युवतियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। तभी उनकी गिरफ्तारी हुई। वे फर्जी कंपनी में काम करती थीं, उनके पास जॉब लेटर भी नहीं था। युवतियों के आरोप निराधार हैं।डीसीपी क्राइम नीतू ने बताया कि युवतियों की नियुक्ति विज्ञापन के माध्यम से की गई थी। उन्हें बताया गया था कि कंपनी सेबी में पंजीकृत है, जबकि जांच में ऐसा नहीं पाया गया। किसी भी युवती के पास शेयर ट्रेडिंग का अनुभव या उससे संबंधित कोई प्रमाणपत्र नहीं मिला। बिना नियुक्ति पत्र के ही यह युवतियां काम कर रही थीं।

ऊर्जा निगमों में निदेशक पदों पर दलित प्रतिनिधित्व खत्म

एकमात्र दलित निदेशक ने दिया इस्तीफा

लखनऊ, एजेंसी। पॉवर कॉर्पोरेशन और विद्युत निगमों में लंबे समय से खाली चल रहे निदेशक के नौ पदों के लिए शनिवार को साक्षात्कार हुआ। इसी बीच एकमात्र दलित निदेशक ने इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में अब कॉर्पोरेशन और निगमों में निदेशक पद पर दलितों की भागीदारी शून्य हो गई है।

पॉवर कॉर्पोरेशन और अन्य निगमों में लंबे समय से खाली चल रहे निदेशक के नौ पदों के लिए शनिवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने साक्षात्कार लिए। नौ पदों के लिए 22 वरिष्ठ अभियंताओं ने साक्षात्कार दिया। इसमें सात विभिन्न निगमों से संबंधित थे, जबकि अन्य निजी क्षेत्र की कंपनियों से आए थे।

साक्षात्कार देने वालों में पॉवर कॉर्पोरेशन में निदेशक (वितरण) जीडी द्विवेदी, पश्चिमांचल में निदेशक (तकनीक) और पूर्वांचल में कार्यरत निदेशक (तकनीक) जितेंद्र नलवाया भी शामिल रहे। खास बात यह है कि इसी बीच ट्रांसमिशन में निदेशक (नियोजन एवं वाणिज्य) पद पर कार्यरत राजेश कुमार ने इस्तीफा दे दिया है। वह एक मात्र दलित निदेशक थे।

मालूम हो कि विभिन्न दलित संगठन ऊर्जा निगमों में भागीदारी को लेकर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। दलित उत्पीड़न और निलंबन के मामले को लेकर कॉर्पोरेशन अध्यक्ष से लेकर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा तक को ज्ञापन सौंपा गया है। निदेशक राजेश कुमार ने इस्तीफा की वजह व्यक्तिगत बताया है, लेकिन इसे भी दलित उत्पीड़न से जोड़ कर देखा जा रहा है।

गंगनहर को तैरकर पार करने की लगी शर्त, पुलिस और गोताखोरों के सामने ही डूब गया 10वीं का छात्र

मेरठ, एजेंसी। चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग स्थित गंगनहर में शुक्रवार को पुलिस-पीएसी और गोताखोरों के सामने ही डूंगर गांव निवासी दसवीं का छात्र आदि सहरावत (15) डूब गया। आदि और उसके दो दोस्तों के बीच तैरकर गंगनहर पार करने की होड़ लगी थी। छात्र के डूबने पर उसके दोस्तों ने शोर मचाया। लोगों की भीड़ लग गई। बचाव में गोताखोर भी गंगनहर में कूद गए। पांच घंटे के सर्च अभियान के बावजूद छात्र का सुराग नहीं लगा। परिवार का रोकर बुरा हाल है। गंगनहर में छात्र के डूबने की घटना ने कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठा दिए हैं।

रोहटा थाना क्षेत्र के डूंगर गांव निवासी यशपाल का पुत्र आदि सहरावत गांव के ही राजकीय विद्यालय में कक्षा 10 का छात्र है। शुक्रवार दोपहर एक बजे वह अपने दो दोस्तों के साथ जटपुरा गांव के ही सामने गंगनहर में स्नान करने पहुंचा था। बताया गया कि नहाने के दौरान तीनों दोस्तों में गंगनहर को तैरकर पार करने की होड़ लग गई। सबसे पहले आदि गंगनहर में कूद गया। तैरते हुए वह बीच धारा में पहुंचा तो अचानक गहरे पानी में डूबने लगा। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वह देखते-ही-देखते पानी में समा गया। इसके बाद दोनों दोस्तों ने शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

वहीं, कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गंगनहर पटरी पर पुलिस-पीएसी और गोताखोरों की ड्यूटी लगी है। शोर मचते ही गोताखोरों ने भी गंगनहर में छात्र की तलाश शुरू कर दी। रोहटा थाना पुलिस और पीएसी के गोताखोरों की मदद से गंगनहर में सर्च अभियान चलाया गया। गोताखोरों ने पांच घंटे तक तलाश की लेकिन देर शाम तक छात्र का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने शनिवार को भी सर्च अभियान जारी रखने की बात कही है। आदि की पारिवारिक परिस्थितियां भी बेहद भावुक करने वाली हैं। दस वर्ष पहले आदि के माता-पिता के बीच विवाद होने पर मां मायके चली गई थी। उस समय आदि की उम्र करीब पांच वर्ष थी जबकि उसका छोटा भाई तीन वर्ष का था। इसके बाद आदि का पालन-पोषण उसकी ताई मुन्नी ने बेटे की तरह किया। सात साल पहले मुन्नी के इकलौते बेटे का भी निधन हो गया था। तभी से उन्होंने आदि की पढ़ाई-लिखाई और परवरिश की पूरी जिम्मेदारी संभाल रखी थी। आदि और उसका भाई ही दोनों परिवार के बुढ़ापे का सहारा है। गंगनहर में उसके डूबने का पता चलने के बाद से मुन्नी का रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण भी गमजदा हैं।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर पुलिस मुस्तैद होने का दावा करती रही। इस हादसे की जानकारी मिलते ही सीओ सरधना आशुतोष कुमार और नायब तहसीलदार आदेश कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने गोताखोरों सहित अन्य टीम सदस्यों से जानकारी ली।चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग स्थित गंगनहर के दूसरी ओर यह घटना हुई है। वहां पर गोताखोर भी मौके पर मौजूद थे। पूठ, सलावा, दौराला, नानू, अटेरना सहित कई जगह पर पुलिस-पीएसी गोताखोर की ड्यूटी लगी है।

एकलव्य स्पोटर्स स्टेडियम के हॉस्टल से राष्ट्रीय खिलाड़ी लापता, सीसीटीवी मिले बंद; जांच में जुटी पुलिस

आगरा, एजेंसी। आगरा के एकलव्य स्पोर्टर्स स्टेडियम के हॉस्टल से टेबल टेनिस के राष्टीय स्तर खिलाड़ी वंश सिंह लापता हो गए। कहीं पता न चलने पर परिजन ने पुलिस को सूचना दी। छात्रावास के कैमरे खराब मिले। पुलिस स्मार्ट सिटी के कैमरों की रिकॉर्डिंग देख रही है। परिजन हॉस्टल में मारपीट का आरोप लगा रहे हैं।

टेबल टेनिस खिलाड़ी नगला छउवा निवासी वंश सिंह के पिता शैलेश सिंह ने बताया कि उनका बेटा चार वर्षों से एकलव्य स्टेडियम के हॉस्टल में रहकर टेबल टेनिस सीख रहा है। वह अंडर 17 में राष्टीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुका है। कई पुरस्कार जीत चुका है। बड़ा बेटा ध्रुव भी राष्टीय खिलाड़ी है।

बृहस्पतिवार को स्टेडियम से आरएसओ संजय शर्मा की कॉल आई। बेटे के लड़ाई करने की बात कहकर हॉस्टल से हटाने की बात कही। उन्होंने फैक्टरी में ड्यूटी पर होने के बारे में बताया और बड़े बेटे को हॉस्टल भेजा। वहां शुक्रवार को बेटे को ले जाने की बोलकर लौटा दिया गया। शुक्रवार को सुबह वह हॉस्टल पहुंचे तो वहां सुबह 5 बजे बेटे के कहीं चले जाने की बात कही गई। सदर थाना पुलिस से शिकायत की। जांच की तो हॉस्टल के सीसीटीवी बंद मिले। पुलिस स्मार्ट सिटी के कैमरे देख रही है। आसपास के कैमरों में बेटा जाते नहीं दिखा है। परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान हैं। पिता का कहना है कि इतने बड़े स्टेडियम के सरकारी हॉस्टल में सीसीटीवी कैमरे बंद थे। जबकि वहां महिला खिलाड़ी भी हैं। नाबालिग खिलाड़ी आखिर हॉस्टल से बिना परिजन के कैसे चला गया। उन्हें बताया गया है कि हॉस्टल में एक अधिकारी और कर्मचारी ने बेटे को कमरे में बंद कर पिटाई की थी। वह इस बात से अवसाद में आ गया था।

बिना सूचना के गया है वंश : क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी संजय शर्मा का कहना है कि वंश सुबह हॉस्टल से बिना सूचना के निकल गया है। परिजन को सूचित किया गया है। निर्माण कार्य के कारण सीसीटीवी कैमरे बंद थे। मारपीट के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। जो भी शिकायत मिलेगी उसकी जांच कराई जाएगी।

पूर्वांचल में बारिश तो अवध में छाए रहेंगे बादल, यहां तेज हवाओं के साथ बरसात की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र के जिलों में आज बारिश हो सकती है, जबकि मध्य और अवध के क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, राज्य के एक बड़े हिस्से में हल्की से मध्यम बारिश, आकाशीय बिजली चमकने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। विभाग ने विशेष रूप से सोनभद्र, आजमगढ़, मऊ तथा इनके आसपास के इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। वहीं कुछ अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम वर्षा के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

इन जिलों में बादल छाए रहने की संभावना

पूर्वांचल व मध्य यूपी से जुड़े सोनभद्र, मिर्जापुर, प्रयागराज, संत रविदास नगर, जौनपुर, बलिया, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, देवरिया, अयोध्या और गोरखपुर में बारिश की संभावना है। वहीं पश्चिमी यूपी व तराई क्षेत्रों जैसे इटावा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, हाथरस, मथुरा, कासगंज, कन्नौज, फर्रुखाबाद, बहराइच, गोंडा, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बरेली, पीलीभीत और अलीगढ़ में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है।

लोगों से सचेत रहने की अपील

मौसम के बदलते मिजाज को देखते हुए लोगों से सचेत रहने की अपील की गई है। बारिश और आकाशीय बिजली कड़कने के दौरान खुले मैदानों, पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

14 साल और 352 तारीख... बहन प्राची ने ऐसे लड़ी इंसाफ की लड़ाई, धरा रह गया रसूख और पैसा

बिजनौर, एजेंसी। 14 साल पहले अग्रसेन जयंती समारोह के दौरान हुए प्रबल अग्रवाल हत्याकांड में शुक्रवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने महिला आयोग की सदस्य के पति और पुत्र समेत सात अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। प्रत्येक दोषी पर 1.25 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। समारोह में एक युवती से बात करने के आरोप में प्रबल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी और शव गंगा में फेंक दिया था। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट डॉ. शहजाद अली ने दिया।

वर्ष 2012 में हुई प्रबल की हत्या में सजा पाने वालों में महिला आयोग की सदस्य संगीता अग्रवाल के पति विनय अग्रवाल और पुत्र अपूर्व अग्रवाल भी शामिल हैं। दोषियों पर लगाए गए अर्थदंड की धनराशि में 90 फ़ीसदी रकम प्रबल की बहन को दी जाएगी। अभियोजन के मुताबिक आलोक अग्रवाल की ओर से शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

बताया था कि 19 दिसंबर 2012 की रात आठ बजे बिजनौर के शहनाई बैंक्वेट हॉल में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में उनका बेटा प्रबल अग्रवाल शहर के ही आशीष अग्रवाल और सचिन अग्रवाल के साथ गया था। वहां एक युवती से बात करने का आरोप लगाते हुए प्रबल को पीटा गया। कुछ लोगों ने बीच-बचाव करते हुए छुड़ाने का प्रयास भी किया। लेकिन आरोपी शराब के नशे में थे और वे प्रबल से पीटते हुए कहीं ले गए।

जांच में सामने आया कि प्रबल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना छिपाने के लिए शव गंगा में फेंक दिया गया। 15 जनवरी 2013 को प्रबल का शव मेरठ के हस्तिनापुर स्थित गंगा खादर क्षेत्र में मिला था। इस मामले में पुलिस ने 18 मई 2013 को आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। इसके बाद आशु अग्रवाल के खिलाफ 26 जुलाई 2013 को दूसरा आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान सात आरोपियों को दोषी पाया। शुक्रवार को इन सभी सातों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और जेल भेज दिया गया। इससे पूर्व सभी आरोपी हाईकोर्ट से जमानत पर चल रहे थे।

अदालत ने फैसले में पुलिस की विवेचना पर तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि केस को कमजोर करने के लिए पुलिस ने सही तरीके से विवेचना नहीं की। इसके चलते अदालत ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, तत्कालीन अपर पुलिस अधीक्षक सिटी, क्षेत्राधिकारी और तीन विवेचकों के खिलाफ विभागीय जांच, कानूनी कार्रवाई करने तथा उक्त कार्रवाई से अदालत को छह महीने के अंदर अवगत कराने के आदेश पुलिस महानिदेशक को दिए हैं। उधर एक बाल अपचारी की पत्रावली को किशोर न्याय बोर्ड में भेज दिया गया था।

फैसला आते ही कोर्ट परिसर में मायूसी, राहत और न्याय मिलने की संतुष्टि के भाव एक साथ नजर आए। सात दोषियों की आंखों से आंसू झलक पड़े। प्रबल की बहन प्राची की आंखों से भाई को इंसाफ मिलने की खुशी आंसू बनकर छलक पड़ी। शुक्रवार दोपहर दो बजे प्रबल की हत्या के दोषियों को सजा सुनाई जानी थी। करीब सवा दो बजे सभी सातों दोषियों को कोर्ट में पेश किया गया। सभी दोषियों और उनके परिजनों के चेहरे पर सजा से पहले ही डर साफ नजर आया। कुछ देर बाद ही जज ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

सजा के बाद कोर्ट से बाहर निकले दोषियों और उनके परिजनों में रोष नजर आया। दोषी विनय अग्रवाल, उनकी पुत्रवधू सहित अन्य लोगों ने कानून अंधा है जैसे नारे लगाए। उसकी पुत्रवधू ने कहा कि घटना के समय दो हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे, कहां हैं वो लोग। सिर्फ इन लोगों को ही सजा सुनाई गई है।

दोषियों को सजा सुनाए जाने से पहले सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। दोषियों को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत से बाहर निकालकर पुलिस वाहन तक पहुंचाया गया। सजा होने के बाद कोर्ट परिसर में लोग चर्चा करते दिखे।

हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना शुरू, 31 अक्टूबर तक सपनों का घर खरीदने का मौका

हापुड़ (शिखर समाचार)। घर खरीदने की चाहत रखने वाले लोगों के लिए हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) एक शानदार अवसर लेकर आया है। प्राधिकरण ने अपनी प्रमुख आवासीय योजनाओं में खाली पड़े फ्लैटों की बिक्री को गति देने और आम जनता को सहूलियत प्रदान करने के लिए 1 अगस्त से 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना की आधिकारिक शुरूआत कर दी है। यह विशेष योजना 31 अक्टूबर तक संचालित की जाएगी।

किन योजनाओं में और किस श्रेणी के उपलब्ध हैं फ्लैट?

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत शहर की दो सबसे पसंदीदा आवासीय पॉकेट्स में फ्लैट उपलब्ध कराए जा रहे हैं:

°**आनंद विहार आवासीय योजना:** यहाँ के अलकनंदा और कालिंदी अपार्टमेंट्स में आधुनिक सुविधाओं से लैस फ्लैट्स उपलब्ध हैं।

°**प्रीत विहार द्वितीय योजना:** यहाँ बजट अनुकूल और सुव्यवस्थित परिसर में फ्लैट दिए जा रहे हैं।

इन योजनाओं में समाज के हर वर्ग की जरूरतों का ध्यान रखते हुए तीन मुख्य श्रेणियों में फ्लैट उपलब्ध हैं:

°**ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग)**

°**एलआईजी (निम्न आय वर्ग)**

°**एमआईजी (मध्यम आय वर्ग)**

आम जनता को पारदर्शी और त्वरित आवंटन देना हमारी प्राथमिकता: एचपीडीए उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र

एचपीडीए उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र ने कहा: "हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हर वर्ग के व्यक्ति को अपना खुद का घर बनाने का अवसर मिले। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना

शुरू की है ताकि आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सरल और त्वरित रहे। आनंद विहार और प्रीत विहार जैसी विकसित योजनाओं में बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह तैयार हैं और लोग तुरंत अपना आशियाना बसा सकते हैं। जो लोग समय से भुगतान करेंगे, उन्हें 6% तक की छूट का सीधा वित्तीय लाभ भी मिलेगा। मेरा आम जनता से अनुरोध है कि वे इस सीमित अवधि की योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।"

आवेदन प्रक्रिया और पंजीकरण शुल्क

इच्छुक आवेदक प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट और 'जनहित पोर्टल' के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

°**सामान्य वर्ग:** फ्लैट की कुल कीमत का 10% पंजीकरण शुल्क।

°**आरक्षित वर्ग:** फ्लैट की कुल कीमत का केवल 5% पंजीकरण शुल्क।

°**विशेष वित्तीय छूट:** निर्धारित समय-सीमा के भीतर एकमुश्त या नियमानुसार समय पर पूर्ण भुगतान करने वाले खरीदारों को 6% तक की विशेष छूट (Discount) प्रदान की जाएगी।

जल्द करें आवेदन

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, चूंकि आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर हो रहा है, इसलिए पहले आवेदन करने वालों को अपनी पसंद का फ्लैट चुनने का पहला मौका मिलेगा। एचपीडीए ने आवेदकों से अंतिम तिथि (31 अक्टूबर) का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द जनहित पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की है।

सपा की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर जोर, रालोद, भाजपा व सुभासपा के कई नेताओं ने ग्रहण की सदस्यता

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी की जिला इकाई की मासिक बैठक रविवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, पीडीए के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यकताओं से स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव के लिए नए मतदाता बनाने के अभियान को तेज करने का आह्वान किया गया। बैठक के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से जुड़े कई नेताओं एवं कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी पदाधिकारियों ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए इसे संगठन के बढ़ते जनाधार का प्रतीक बताया। राष्ट्रीय लोकदल छोड़कर पूर्व शहर अध्यक्ष पंडित विपिन शास्त्री, नईम खान, अरुण कुमार, चूनसा, रवि कुमार, अतेंद्र प्रधान, अधिवक्ता माधव कृष्ण गौतम, ऊधव नारायण गौतम, रविंद्र तोमर, डॉ. युसुफ अली, पूर्व प्रधान गुलाब सिंह, अरुण सरवाल और गफ्फार मलिक समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी छोड़कर विधानसभा अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह मलिक, विधानसभा महासचिव राजीव शर्मा, नरेंद्र शर्मा सहित अन्य कार्यकताओं ने भी सपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी छोड़कर सोनू चौहान, भानू चौहान, लोकेश शर्मा और ताना भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से जिले में पार्टी संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों तथा पीडीए के संदेश को आम जनता तक पहुंचाने और आगामी चुनावों की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में ठाकुर शेर सिंह राणा, डॉ. दीपा पंवार, चौधरी कलीम हसन, इमरान राणा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अंतर विद्यालय कला प्रतियोगिता स्मॉल हैंड्स बिग आर्ट 7.0 में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (शिखर समाचार) जे. एम. इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित अंतर विद्यालय कला प्रतियोगिता स्मॉल हैंड्स बिग आर्ट 7.0 में 35 से अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने अपनी आयु वर्ग के अनुसार आयोजित छह अलग अलग कला प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण संरक्षण और समसामयिक विषयों पर रंगों, रेखाओं और कल्पनाशक्ति के माध्यम से आकर्षक कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। प्रत्येक चित्र में विद्यार्थियों की मौलिक सोच, सृजनात्मक क्षमता और कला के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर रंग बिरंगी कलाकृतियों और उत्साहपूर्ण वातावरण से सराबोर रहा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना था, जहां वे अपनी कल्पनाशक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति को खुलकर प्रस्तुत कर सकें। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, प्रकृति संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावी ढंग से उकेरा।

निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की कलाकृतियों का मूल्यांकन मौलिकता, विषय वस्तु, प्रस्तुति, रंगों के संतुलन और रचनात्मक दृष्टिकोण के आधार पर किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई। समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी सहभागी विद्यालयों, विद्यार्थियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने और उनमें आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन ने यह संदेश भी दिया कि कला केवल चित्रांकन नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं की प्रभावशाली अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

पक्का बाग गौशाला प्रबंध समिति में फेरबदल, मनोज तेल वाले बने नए मंत्री

हापुड़ (शिखर समाचार) नगर की पक्का बाग गौशाला प्रबंध समिति में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए मंत्री और कोषाध्यक्ष के पदों पर बदलाव किया गया है। समिति के मंत्री सचिन और कोषाध्यक्ष संजीव कृष्णा ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। दोनों के इस्तीफे स्वीकार किए जाने के बाद समिति ने नए मंत्री की नियुक्ति कर दी है। गौशाला प्रबंध समिति की बैठक में अध्यक्ष सुरेश गुप्ता की अध्यक्षता में पदाधिकारियों ने दोनों इस्तीफों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखते हुए मंत्री सचिन और कोषाध्यक्ष संजीव कृष्णा के त्यागपत्र स्वीकार कर लिए गए। इसके बाद समिति की सर्वसम्मति से पूर्व अध्यक्ष मनोज तेल वाले को गौशाला प्रबंध समिति का नया मंत्री मनोनीत किया गया। मनोज तेल वाले के मंत्री बनाए जाने पर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं। सामाजिक संगठनों और नगर के लोगों ने भी उनके मनोनयन का स्वागत किया तथा उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और नेतृत्व में गौशाला के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। साथ ही गौवंश के संरक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार और गौशाला के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि गौशाला के सुचारु संचालन और विकास के लिए सभी सदस्य मिलकर कार्य करेंगे, ताकि गौसेवा और जनसेवा की परंपरा निरंतर आगे बढ़ती रहे।

गढ़ रोड पर जलभराव की गंभीर समस्या से जल्द मिलेगी राहत, एचपीडीए दो करोड़ की लागत से कराएगा पक्की सड़क का निर्माण

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ वासियों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है। गढ़ रोड पर वर्षों से बनी जलभराव की विकराल समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने कमर कस ली है। प्राधिकरण इस क्षेत्र में सुगम आवागमन और बेहतर जल निकासी के लिए लगभग दो करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सड़क का नवनिर्माण कराने जा रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी प्राधिकरण द्वारा जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए इसी मार्ग पर लगभग आठ करोड़ रुपये का बजट खर्च करके एक विशाल नाले का निर्माण कराया गया था।

सड़क न होने से बनी हुई थी आफत

फ्लाईओवर से लेकर ततारपुर बाईपास तक नाले का निर्माण कार्य तो पूरा कर लिया गया था, लेकिन इसके बाद सड़क का निर्माण न हो पाने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई थी। हल्की सी बारिश होते ही पूरे क्षेत्र में पानी भर जाता था।

सड़क नीची होने और जलभराव के कारण न केवल राहगीरों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, बल्कि जलजमाव की वजह से व्यापारियों के कारोबार पर भी बुरा असर पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने कई बार प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई थी और पक्की सड़क बनाने की मांग की थी।

प्रभारी सचिव अमित कादियान ने जानकारी देते हुए बताया: 600 मीटर सड़क को किया जाएगा ऊंचा

जनता की लगातार आ रही शिकायतों और जमीनी समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण ने आखिरकार नया प्रस्ताव तैयार कर लिया है।

"जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग 600 मीटर लंबी सड़क को वर्तमान स्तर से काफी ऊंचा उठाकर नए सिरे से बनाया जाएगा। सड़क की ऊंचाई बढ़ने से बारिश का पानी सीधा नाले में चला जाएगा और सड़कों पर जलजमाव नहीं होगा। इससे यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम जनता को जलभराव से हमेशा के लिए निजात मिल सकेगी।"

क्षेत्रवासियों को मिलेंगे ये प्रमुख फायदे

° **सुगम और सुरक्षित यातायात:** सड़क का निर्माण होने से दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा और फ्लाईओवर से बाईपास तक ट्रैफिक का दबाव कम रहेगा।

° **व्यापार को मिलेगा बढ़ावा:** जलभराव खत्म होने से गढ़ रोड के मुख्य बाजार में ग्राहकों की आवाजाही आसान होगी, जिससे स्थानीय दुकानदारों को राहत मिलेगी।

° **बीमारियों पर लगेगी लगाम:** लंबे समय तक पानी ठहराव न होने से मच्छर जनित बीमारियों और गंदगी से निजात मिलेगी।

प्राधिकरण के इस फैसले से स्थानीय नागरिकों में खुशी की लहर है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बसपा से भाजपा तक का सफर, पुष्पा देवी की एंट्री से बदले सियासी समीकरण

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी का भाजपा में शामिल होना जिले की राजनीति का बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। बसपा के टिकट पर चुनाव जीतने वाली पुष्पा देवी ने भाजपा प्रत्याशी डॉ. सोमती केन को पराजित कर नगर पालिका की कमान संभाली थी। बसपा से निष्कासन के बाद उनके कांग्रेस में जाने की भी चर्चाएं रहीं, लेकिन बात नहीं बन सकी। आखिरकार उन्होंने अपने पति श्रीपाल और समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस फैसले का आगामी विधानसभा चुनाव की राजनीति पर असर पड़ सकता है। वहीं भाजपा के भीतर भी इस घटनाक्रम को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं जारी हैं।

पूर्व पालिकाध्यक्ष के भ्रष्टाचार संबंधी आरोप फिर चर्चा में, नए राजनीतिक समीकरणों की अटकलें तेज

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी अपने पति श्रीपाल और समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस घटनाक्रम के साथ पिछले कई दिनों से चल रही राजनीतिक चर्चाओं पर विराम लग गया है। पुष्पा देवी ने नगर पालिका चुनाव में बसपा प्रत्याशी के रूप में भाजपा उम्मीदवार डॉ. सोमती केन को पराजित कर जीत दर्ज की थी। बाद में बसपा ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों और आंतरिक मतभेदों के चलते निष्कासित कर दिया था। इसके बाद उनके अन्य राजनीतिक दलों में शामिल होने की चर्चाएं भी होती रहीं। भाजपा में उनकी एंट्री को लेकर जिले की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वहीं पूर्व पालिकाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश मित्तल द्वारा पूर्व में लगाए गए भ्रष्टाचार संबंधी आरोप भी एक बार फिर चर्चा में हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ भाजपा कार्यकर्ता इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में हैं।

पहचान संस्था और सेक्टर-22 आरडब्ल्यूए ने चलाया कपड़ा संग्रह अभियान, जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाएगी सहायता

नोएडा (शिखर समाचार) सामाजिक संस्था पहचान और सेक्टर-22 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-22 में जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से कपड़ा संग्रह अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों से पुराने लेकिन उपयोग योग्य कपड़े एकत्र किए गए, जिन्हें छंटाई के बाद जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान को स्थानीय लोगों का उत्साहजनक सहयोग मिला। कार्यक्रम के दौरान विकास राणा, विकल चौधरी, चौकी प्रभारी अक्षय राणा तथा उपनिरीक्षक राधेश्याम अपनी पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं तथा जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-22 के संरक्षक रवि शर्मा, अध्यक्ष मदन शर्मा, सचिव लक्ष्मण दशमाना, कोस्ट गार्ड के एन. धर राव तथा थाना सेक्टर-58 से मीनाक्षी सिंह और दीपक सिंह भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पहचान संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में पहचान संस्था के सचिव (स्वयंसेवक) पवन शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. निलेश सिंह तथा महिला समन्वयक मनीषा शर्मा ने अभियान के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं स्वयंसेवकों अंकित शर्मा, शुभम शर्मा, पार्थ शर्मा, रोहित, पुष्पेंद्र सहित अन्य सहयोगियों ने कपड़ों के संग्रह और व्यवस्था में सक्रिय योगदान दिया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी जनहित और सेवा से जुड़े ऐसे अभियान लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।

नाबालिग से अश्लील कृत्य और वीडियो बनाने का आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल फोन बरामद

शामली (शिखर समाचार)। थाना आदर्श मंडी पुलिस ने नाबालिग के साथ अश्लील कृत्य करने और उसका वीडियो बनाने के आरोप में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसकी जांच में मामले से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात कही गई है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार एक अगस्त को थाना आदर्श मंडी क्षेत्र में नाबालिग के साथ अश्लील कृत्य किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप है कि आरोपी ने नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने के साथ उसका वीडियो भी अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना आदर्श मंडी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पवन कुमार पुत्र संतोष निवासी मोहल्ला आदर्श विहार, थाना आदर्श मंडी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस का दावा है कि मोबाइल की जांच में मामले से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे के ढाबे पर परिवार से मारपीट का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जेवर (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर टोल के निकट स्थित एक ढाबे पर खाना खाने पहुंचे फिरोजाबाद निवासी परिवार के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ढाबे के एक अज्ञात कर्मचारी पर परिवार के साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिरोजाबाद निवासी ललिता देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 मई को वह अपने पति ललित कुमार तथा दो पुत्रों हर्षित और सुमिल के साथ हरिद्वार से घर लौट रही थीं। रास्ते में उनका परिवार यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर टोल के पास स्थित एक ढाबे पर भोजन करने के लिए रुका। आरोप है कि इसी दौरान ढाबे के एक अज्ञात कर्मचारी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद उसने उनके परिवार के साथ मारपीट कर दी। घटना में परिवार के कई सदस्यों को चोटें आईं। पीड़िता का कहना है कि घटना के समय वह काफी घबरा गई थीं, जिसके कारण तत्काल शिकायत नहीं कर सकीं। बाद में उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए लिखित तहरीर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात कर्मचारी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपी की पहचान होने के बाद उसके विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू विवाद में युवक से मारपीट का आरोप, पत्नी और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र स्थित ओमेक्स पाम ग्रीन सोसायटी में रहने वाले एक युवक ने अपनी पत्नी और सास पर गाली-गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि सेक्टर म्यू स्थित ओमेक्स पाम ग्रीन सोसायटी निवासी मनीष अग्रवाल का अपनी पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसके कारण दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। शिकायत के अनुसार 21 अप्रैल की दोपहर मनीष अपनी पत्नी से फोन पर घरेलू विवाद समाप्त करने को लेकर बातचीत कर रहे थे। आरोप है कि बातचीत के दौरान पत्नी नाराज हो गई और कुछ देर बाद अपनी मां के साथ उनके पास पहुंच गई। पीड़ित का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर दी। घटना के दौरान उसने विरोध नहीं किया और तत्काल डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उसने पुलिस चौकी पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर पत्नी और सास के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

लोकतंत्र की असली परीक्षा: जब असहमति पर हमले होने लगें

राजधानी दिल्ली में 2 अगस्त 2026 को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सामने आई घटना ने देश की राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों को गंभीर सोचने पर मजबूर कर दिया है। खबरों के अनुसार प्रेस वार्ता के दौरान एक व्यक्ति चाकू लेकर वहां पहुंच गया और हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद पप्पू यादव ने दावा किया कि यह उन पर सुनियोजित हमला था और उन्हें पिछले कई दिनों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ हिंसा भड़काने वाले बयान दे रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के हर पहलू की पड़ताल की जा रही है। यह केवल एक सांसद की सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की उस मूल भावना का प्रश्न है जिसमें हर व्यक्ति को बिना भय के अपनी बात कहने और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का अधिकार प्राप्त है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां विचारों की विविधता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानी जाती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। राजनीतिक दलों का एक दूसरे की नीतियों का विरोध करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन जब असहमति का उत्तर तर्क से नहीं बल्कि धमकी, हिंसा और हमले से दिया जाने लगे तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंता का विषय बन जाती है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन किसी व्यक्ति को डराकर चुप कराने का अधिकार किसी को नहीं है। यदि राजनीतिक मतभेद व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने लगें तो इसका नुकसान केवल नेताओं को नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को उठाना पड़ता है। हाल के वर्षों में देश की राजनीति का स्वर लगातार अधिक आक्रामक होता गया है। चुनावी सभाओं से लेकर सोशल मीडिया तक भाषा की मर्यादा कई बार टूटती दिखाई देती है। विरोधियों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग, व्यक्तिगत आरोप, धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों पर उग्र बयानबाजी तथा समर्थकों को लगातार उकसाने वाली भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक वातावरण को कमजोर करता है। राजनीति में विचारों की प्रतिस्पर्धा स्वस्थ मानी जाती है, लेकिन जब यह प्रतिस्पर्धा नफरत और हिंसा की मानसिकता में बदलने लगे तो समाज भी उसी दिशा में प्रभावित होने लगता है। नेताओं के शब्द केवल भाषण नहीं होते, बल्कि लाखों समर्थकों के लिए संदेश भी होते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में भाषा की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है।

पप्पू यादव पिछले कुछ समय से लगातार राजनीतिक विवादों के केंद्र में रहे हैं। संसद परिसर में उनके विरोध प्रदर्शन, विभिन्न मुद्दों पर सरकार की आलोचना और हाल में दर्ज हुए मामलों के कारण राजनीतिक माहौल पहले से ही गर्म था। ऐसे समय में यदि किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हथियार लेकर कोई व्यक्ति पहुंचता है तो इसे सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चाहे घटना के पीछे व्यक्तिगत कारण हों, राजनीतिक कारण हों या किसी अन्य प्रकार की मानसिकता, इसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून से बड़ा कोई नहीं होता। इसलिए जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे बिना किसी राजनीतिक दबाव के पूरी सच्चाई सामने लाएं ताकि न तो किसी निर्दोष पर आरोप लगे और न ही कोई दोषी बच सके।

इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। देश की राजधानी में एक सांसद के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में यदि कोई व्यक्ति हथियार लेकर प्रवेश कर सकता है तो यह सुरक्षा तंत्र की कमजोरी का संकेत है। यह केवल एक व्यक्ति की सुरक्षा का मामला नहीं है। आज यदि किसी विपक्षी सांसद के साथ ऐसी घटना होती है तो कल सत्ता पक्ष का कोई नेता भी इसका शिकार हो सकता है। इसलिए सुरक्षा को राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। सभी जनप्रतिनिधियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व है।

~ मौलिक चिंतन ~

कष्ट भी हमारे गुरु हैं। ये ऐसी शिक्षा देते हैं, जो स्कूल, किताबें और उपदेश भी नहीं दे पाते हैं।

~~~~~~~~

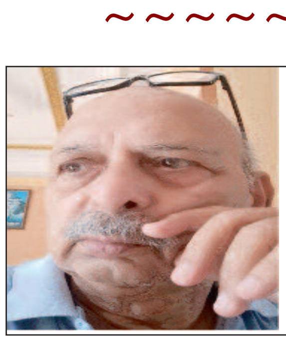

© विनय संकोची

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

सनत जैन

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो

याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतजार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शुक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और जनता की गाढ़ी कमाई की लूट का था, वह पलक झपकते ही बदल गया। अब वह सनातन के अपमान का नैरेटिव बन गया । अब उल्टा विपक्ष हाथ जोड़कर यह सफाई दे रहा है कि उनका उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं था।

यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को जमीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि आम जनता उनके बारीक कटाक्ष और प्रतीकों को उसी तरह समझेगी जैसे कोई बुद्धिजीवी समझता है। सच तो यह है कि आज देश के लोग इस तरह के व्यंग्य समझने के मूड में बिलकुल नहीं हैं। राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बाँध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वहां उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे क्लीन बोल्ड होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं रही, लेकिन अपनी रणनीतिक कमियों के कारण उन्होंने हमेशा बड़े मौके गँवाए हैं। जब भी देश में बेरोजगारी, महंगाई या पेपर लीक जैसे युवा और आम जनता से जुड़े मुद्दे गर्म होते हैं, विपक्ष सरकार को घेरने के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीजों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपको सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया।

विपक्ष को अब यह तय करना होगा कि उन्हें राजनीति करनी है या समाज सुधारक बनना है। आप एक साथ दोनों नावों पर सवारी नहीं कर सकते। जनता आज नौकरी, सड़क, पानी, अस्पताल और अपने बच्चों के भविष्य पर बात करना चाहती है। जब आप इन असली मुद्दों को छोड़कर धर्म या प्रतीकों की लड़ाई में उलझते हैं, तो आप सीधे तौर पर अपने विरोधी की मदद कर रहे होते हैं। राजनीति में टाइमिंग और लहजा ही सब कुछ होता है। यदि आपके पास सही मुद्दा है लेकिन आपका लहजा गलत है, तो वह मुद्दा पूरी तरह बेकार हो जाता है। अब समय आ गया है कि विपक्ष उन सलाहकारों को बाहर का रास्ता दिखाए जो जमीन से पूरी तरह कटे हुए हैं। राजनीति में जीतने के लिए जनता की नब्ज को पहचानना पड़ता है। अगर इतनी सी भी समझ नहीं है, तो बेहतर होगा कि वे आम जनता या अपने जमीनी कार्यकताओं से ही सलाह ले लें, जो उन्हें सही रास्ता दिखा सकें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सावन: शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व

सुनील कुमार महला

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं।

तीन अगस्त को श्रावण मास का पहला सोमवार है। श्रावण मास भगवान शिव की उपासना/आराधना और व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।श्रद्धालु व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक तथा कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि सावन/श्रावण मास भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।सावन का महीना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। वर्षा ऋतु में धरती हर तरफ हरियाली से आच्छादित हो जाती है, नदियाँ और जलस्त्रोत भर जाते हैं तथा कृषि कार्य अपने चरम पर होता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इस समय वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रकृति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। यह वह महीना है जब हमारे देश में स्थान-स्थान पर अनेक धार्मिक उत्सवों और मेलों का आयोजन होता है। ये उत्सव, मेले व सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। संयम, सात्विक आहार, आत्मानुशासन और सेवा-भाव जैसे जीवन-मूल्य भी इसी मास की विशेष पहचान है।शिव परम चेतना हैं। संस्कृत में शिव शब्द का अर्थ है- जो कल्याणकारी हैं, मंगलकारी हैं, शुभ हैं, और हितकारी हैं। वास्तव में, शिव शांति और अद्वैत (एकत्व) का स्वरूप हैं। इसीलिए संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-शिवं शान्तमद्वैतम्।

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार–तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं। शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं। उनका तांडव जीवन की ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव- महादेव हैं।भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं।

हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक क्यों होता है ? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दशार्ता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।वायु पुराण के अनुसार, सावन के दौरान जल की हर बूंद में रुद्र का अंश माना जाता है, जो प्रकृति का पुनर्जन्म करता है।यह भी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव ही सृष्टि का भार संभालते हैं, जैसा कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा (क्षीरसागर) में चले जाते हैं। सावन के महीने में महादेव पृथ्वी लोक के सबसे करीब होते हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनते हैं। सावन मास में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है। दरअसल ,बेलपत्र का त्रिकोण और वैज्ञानिक पहलू है। बेलपत्र के तीन पत्ते शिवजी के तीन नेत्रों, तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का प्रतीक हैं। बेलपत्र में प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को सोखने और शीतलता प्रदान करने के गुण होते हैं। यही कारण है कि विष के प्रभाव को कम करने के लिए जल के साथ-साथ बेलपत्र भी अर्पित किया गया था। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि लोग सावन के सोमवार को केवल एक वार मानकर व्रत रखते हैं, लेकिन सोम का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। सोम का मतलब है चन्द्रमा और हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं, जो मन की शांति और शीतलता का प्रतीक हैं।सावन मास में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि पहली कांवड़ यात्रा भगवान परशुराम जी ने की थी। उन्होंने पहली बार कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिवजी का अभिषेक किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, लंकापति रावण (जो शिवजी का महान भक्त था) ने समुद्र मंथन के विष से पीड़ित शिवजी को राहत देने के लिए पुरा महादेव (गढ़मुक्तेश्वर/बागपत) में कांवड़ से गंगाजल लाकर चढ़ाया था।

अंत में यही कहूंगा कि सावन केवल धार्मिक रीती-रिवाजों का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, भक्ति और स्वयं के भीतर की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक विज्ञान है।सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण का भी संदेश देता है। सावन हमें सिखाता है कि शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ सत्य, करुणा, सेवा, धैर्य और आत्मसंयम को जीवन में अपनाना है। यदि हम इन मूल्यों को अपने आचरण का हिस्सा बना लें, तो यही सावन का सबसे बड़ा फल और भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।
~~~~~~~~

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **.शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

डॉलर जमा पर एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

विदेशी पूंजी जुटाने में 2013 का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर(बी)) जमा योजनाओं पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट्स (0.25 फीसदी) की बढ़ोतरी की है। 1 अगस्त से लागू नई दरों के बाद, इन डॉलर जमाओं पर अब 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती स्वैप स्कीम का लाभ उठाने और अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए बैंकों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। आरबीआई की विशेष स्वैप विंडो सितंबर के अंत में बंद होने वाली है, जिसके चलते बैंक एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट के जरिए विदेशी फंड जुटाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। एचडीएफसी के इस कदम के बाद, अन्य बड़े निजी बैंक जैसे आईसीआईसीआई बैंक और ऐ क्सिस बैंक अभी भी तीन से पांच साल की डॉलर एफसीएनआर (बी) जमा पर 6 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, जबकि एसबीआई में 1 मिलियन डॉलर से अधिक की पांच साल की जमा पर भी 6 फीसदी ब्याज मिल रहा है। छोटे वित्तीय संस्थान भी आकर्षक दरें पेश कर रहे हैं। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी (एफसीएनआ (बी)) डिपॉजिट पर उच्चतम ब्याज दर को 7.1 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक बैंकों ने इस योजना के तहत कुल 41 अरब डॉलर का विदेशी फंड जुटाया है, जिसमें एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का 36.7 अरब डॉलर सबसे बड़ा हिस्सा है। यह आंकड़ा 2013 के 34 अरब डॉलर के रिकॉर्ड को पार कर चुका है। सितंबर में विंडो बंद होने से पहले बैंक अधिकतम फंड जुटाने के लिए आने वाले हफ्तों में ब्याज दरें और बढ़ा सकते हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। इन सुविधाओं से ग्राहकों पर मासिक किस्त का बोझ काफी कम होगा। यह नई दरें एक सीमित अवधि के लिए लागू रहेंगी।

कोल इंडिया का उत्पादन जुलाई में 8.4 फीसदी बढ़कर 5.036 करोड़ टन हुआ

आपूर्ति 18.38 फीसदी बढ़कर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

सरकारी खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने जुलाई में परिचालन मोर्चे पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बारिश की चुनौतियों के बावजूद कोयला उत्पादन में 8.4 फीसदी और आपूर्ति में 18.38 फीसदी की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई। जुलाई में सीआईएल का कोयला उत्पादन 8.4 प्रतिशत बढ़कर 5.036 करोड़ टन पर पहुंच गया। देश के कुल उत्पादन में 80त्न से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली सीआईएल ने बारिश के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की। मांग के अनुरूप भंडार प्रबंधन के चलते कोयले की आपूर्ति भी मजबूत रही। जुलाई में कुल आपूर्ति 18.38 प्रतिशत बढ़कर 6.419 करोड़ टन रही, जो किसी भी वित्त वर्ष के जुलाई महीने में अब तक की सर्वाधिक है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में कुल कोयला आपूर्ति 6.9 प्रतिशत बढ़कर 26.204 करोड़ टन हो गई, जो इस अवधि का सर्वाधिक स्तर है। बिजली क्षेत्र को जुलाई में सीआईएल की आपूर्ति 18 प्रतिशत बढ़कर 4.977 करोड़ टन रही, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 4.235 करोड़ टन थी। बिजली क्षेत्र, कंपनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और यह रिकॉर्ड आपूर्ति उसकी बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण रही है।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंप नियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कॉर्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा। केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है।

यूपीआई ने जुलाई में रचा नया कीर्तिमान, लेनदेन 23.66 बिलियन पार

दैनिक उपयोग बना वृद्धि का मुख्य कारण; छोटे शहरों में भी पहुंचा डिजिटल भुगतान का विस्तार

मुंबई ।

भारत में डिजिटल पेमेंट की लहर लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए, जब इसके माध्यम से कुल 23.66 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए जिनकी कुल वैल्यू 29.88 ट्रिलियन रुपये दर्ज की गई। यह आंकड़ा अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है और जून महीने की तुलना में वॉल्यूम में 4.1 फीसदी और वैल्यू में 3.3 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लेनदेन की संख्या में 22 फीसदी और मूल्य में 19 फीसदी का उछाल आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि किसी खास मौसमी या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वाभाविक आदत का परिणाम है। अब यूपीआई का दायरा सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी यह स्थानीय खरीदारी, बिल भुगतान और पैसे ट्रांसफर के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों की बात करें तो इमीडिएट पेमेंट सर्विस और आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ने भी जुलाई में बेहतर प्रदर्शन किया।

डॉलर ने फीकी की सोने-चांदी की चमक, एक हफ्ते में 1600 से ज्यादा टूटा सोना

हफ्तेभर में सोना 1,672 रुपए तो चांदी 6,476 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में आए उछाल के चलते पिछले हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस सुस्ती का असर भारत के सर्राफा और वायदा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां 24 कैरेट सोना 1672 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी 6476 रुपए प्रति किलोग्राम टूट गई। सोने-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड गिरावट पिछले कारोबारी हफ्ते में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का भाव सोमवार को 1,44,532 रुपए से गिरकर शुक्रवार तक 1,42,860 रुपए पर आ गया, जो कि महज पांच दिनों में 1.15 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट दिखी; सोमवार को 2,24,771 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चांदी हफ्ते के अंत तक 2,18,295 रुपए पर आ गई। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया है। डॉलर की मजबूती और फेड के रुख ने बढ़ाया दबाव बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल के कारण हुई है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जबकि ऊंची ट्रेजरी यील्ड बिना ब्याज वाले सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व के अपेक्षाकृत सख्त रुख और मजबूत श्रम बाजार ने निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है। बाजार अब सितंबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना लगभग 63 प्रतिशत मान रहा है, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा है। भू-राजनीतिक तनाव और भविष्य का परिदृश्य वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल ने भी कमोडिटी बाजारों में सतर्कता का माहौल बनाए रखा।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

सरकार को एमआरपी और आयातकों की दुर्दशा पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रोल्टा इंडिया समाधान योजना को एनसीएलएटी से हरी झंडी, दूरसंचार विभाग की चुनौती खारिज

न्यायाधिकरण ने कहा- योजना लागू हो चुकी, इस स्तर पर हस्तक्षेप अनुचित

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज में डूबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग (डीओटी) की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। डीओटी ने रोल्टा इंडिया पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित 469.09 करोड़ रुपए के बकाया लाइसेंस शुल्क का दावा करते हुए एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती दी थी। यह योजना एशडन प्रॉपर्टीज ने 900 करोड़ रुपए में पेश की थी। डीओटी का तर्क था कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। एनसीएलएटी की पीठ ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि समाधान योजना अंतिम चरण में है और लागू हो चुकी है। न्यायाधिकरण ने पाया कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा 469.09 करोड़ रुपए के दावे को अस्वीकार्य लेकिन आकस्मिक श्रेणी में रखे जाने को समय पर चुनौती नहीं दी, बल्कि एनसीएलटी के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) चला गया, जिससे उसका दावा कमजोर पड़ गया। एनसीएलएटी ने जोर दिया कि एक बार समाधान योजना को मंजूरी और सफल क्रियान्वयन के बाद, पुराने मुद्दों को फिर नहीं उठाया जा सकता। पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि सफल आवेदक को अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

आरबीआई ब्याज दरों पर बनाए रख सकता है यथास्थिति

महंगाई और वैश्विक अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक का अहम फैसला

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक (3-5 अगस्त) में ब्याज दरों पर अहम फैसला होगा। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगा, जिससे घर और कार लोन धारकों को ईएमआई में तुरंत राहत मिलने की संभावना क्षीण है। फैसलों का ऐलान 5 अगस्त को किया जाएगा। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि आरबीआई रेपो रेट में बदलाव नहीं करेगा। इसका मुख्य कारण खुदरा महंगाई (सीपीआई) का अगले दो तिमाहियों तक 5त्न से ऊपर बने रहने का अनुमान है। महंगाई पर नियंत्रण हेतु आरबीआई दरों को स्थिर रखेगा। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7 फीसदी से अधिक आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। जुलाई में 35 अरब डॉलर के पूंजी प्रवाह से 24 जुलाई तक विदेशी मुद्रा भंडार में 12.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। फॉरवर्ड पोजीशन में कमी से विदेशी मुद्रा बाजार का दबाव कम हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह की अनिश्चितता के मद्देनजर आरबीआई के लिए मौजूदा दरों को बनाए रखना ही उपयुक्त होगा। वैश्विक मुद्रा बाजार में असंतुलन बना हुआ है, जिसका मार्च में रुपये पर असर दिखा।

मारुति ने जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो इसी महीने के आंकड़े से 33 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

कतर से चला गैसलॉग शंघाई टैंकर बना निशाना; मध्य-पूर्व के तनाव से वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है।

सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज़ की पहचान गैसलॉग शंघाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

हमले के कारण जहाज की बिजली चली गई और हल्की आग भी लगी, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और अब तक पर्यावरण पर भी कोई गंभीर असर नहीं पड़ा है। यह टैंकर 27 जुलाई को कतर से एनएनजी लेकर चला था और 31 जुलाई को होर्मुज के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास इसके सिग्नल आने बंद हो गए थे। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक टकरावों का सीधा परिणाम है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनियाभर में कुल एलएनजी आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

भारत-चीन सीमा पर गुलजार हुआ कारोबार

14 हजार फुट की ऊंचाई पर फिर शुरू हुआ लेन-देन, 38 व्यापारियों को मिला परमिट

नई दिल्ली ।

भारत और चीन के बीच छह साल से बंद पड़ा सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है। सिक्किम में नाथू ला और हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे के रास्ते यह व्यापार फिर से बहाल हुआ। कोविड-19 महामारी और सीमा संबंधों में आए तनाव के कारण साल 2020 से यह व्यापार बंद था। समुद्र तल से 14,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित इन रणनीतिक दर्रों से व्यापार की वापसी दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नई सुबह का संकेत है। सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला में औपचारिक उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह मौसमी व्यापार नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह सोमवार से गुरुवार के बीच चलेगा। इस साल 38 पंजीकृत व्यापारियों को व्यापार पास जारी किए गए हैं। इस मार्ग से हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक धार्मिक सामग्री और रेडीमेड परिधान सहित 36 अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार होगा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ-साथ पहली बार महिला आईटीबीपी प्लाटून भी नाथू ला में तैनात की गई है। गौरतलब है कि 1962 के युद्ध के बाद बंद हुआ यह दर्रा 2006 में चार दशक से अधिक समय बाद फिर से खोला गया था, लेकिन 2020 में कोविड-19 महामारी और उसके बाद सीमा पर उपजे तनाव के कारण इसे बंद कर दिया गया था।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं- बैंक अधिकारी

पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत, 20,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ का अनुमान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

तेज बुखार के बाद भी अरुंधति ने रिंग में उतरकर स्वर्ण जीता

नई दिल्लीस्ट्री (एजेंसी)। ग्लासगो (ईएमएस)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाज 70 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अरुंधति ने इस मैच में बुखार के बाद भी मुकाबला लड़ा। इस सफलता के बाद से ही

अरुंधति के घर में जश्न जैसा माहौल है पर जिस प्रकार से तेज बुखार में अरुंधति इस मैच में उतरी उसके लिए वह प्रशंसा की पात्र हैं। फाइनल मुकाबले से पहले अरुंधति को करीब 102 डिग्री बुखार था लेकिन उनके कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। उनकी बहन चारू ने अपनी खुशी और बहन के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अरुंधति की यह स्वर्णिम यात्रा आसान नहीं थी। उनका सपना भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है।

शुरुआत में वह बास्केटबॉल खेला करती थीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने मुक्केबाजी को अपना लिया। कोटा जैसे शहर में मुक्केबाजी के लिए उचित प्रशिक्षण और कोच की कमी एक बड़ी चुनौती थी। उन्हें अपनी ट्रेनिंग के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा पर अरुंधति ने कभी हार नहीं मानी। कॉमनवेल्थ में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने को साबित किया है।

राष्ट्रमण्डल खेलो में कुल सात स्वर्ण पदक में से छह विजेता हरियाणा के हैं। ऐसे में, अरुंधति एकमात्र ऐसी मुक्केबाज रहीं जिन्होंने हरियाणा से बाहर रहते हुए भी यह स्वर्ण जीता।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि अंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।

भारत की तन्वी ने ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता

ग्लास्गो (एजेंसी)। ताइपे सिटी (ईएमएस)। भारत की 17 साल की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने रविवार को यहां ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। तन्वी ने महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में थुई लिन्ह को केवल 36 मिनट में ही 21-16, 21-16 से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन में सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं, उन्होंने ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। खिताब जीतने के बाद तन्वी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि उसका लक्ष्य केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम खोने वाली तन्वी ने फाइनल मुकाबले में भी जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश से थुई लिन्ह पर 10-2 की बड़ी बढ़त बना ली। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के सामने टिक नहीं पायी। इस भारती खिलाड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया।

वहीं दूसरे गेम में वियतनामी खिलाड़ ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई पर तन्वी ने धैर्य बनाए रखते हुए शानदार नेट शॉट्स और सटीक बैक कोर्ट प्ले के दम पर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर 8-4 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बनाए रखने के बाद, तन्वी ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त को 18-12 तक पहुंचाया। कुछ मैच अंक खोने के बावजूद, तन्वी ने चौथे अवसर का फायदा उठाते हुए ये मुकाबला जीत लिया। पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय तन्वी ने 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में भी जगह बनाई थी।

भारतीय टीम नौवी बार श्रीलंका में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलेगी

12 खिलाड़ी पहली बार श्रीलंकर में टेस्ट खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भले ही बाकी जगहों पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहां उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, लेकिन सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद 1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रॉ रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडिस की रहस्यमी स्पिन के लिए याद किया जाता है, जिसने

भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था, और भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। 2010 में रोमांचक सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

हालांकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रॉ, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

पंड्या बंधुओं के बीच सुलह वाला वीडियो पुराना निकला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच सुलह की अटकलों की बात गलत निकली है। हार्दिक और कुणाल के बीच पिछले कुछ समय से मतभेद का दावा किया जा रहा था। इसी कारण दोनो सार्वजनिक स्थानों पर एकसाथ नहीं देखते हैं। हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रुणाल द्वारा हार्दिक के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट न करने से रिश्तों में अनबन और तेज़ होने की बात कही गयी। इसी बीच ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेज़ी से वायरल हुआ, जिसमें दोनों भाइयों को मस्ती के मूड में एक साथ देखा गया, जिसके बाद यह दावा किया जाने लगा कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर सामने आया कि ये फर्जी है।

मुंबई एयरपोर्ट के इस वायरल वीडियो में पंड्या बंधुओं को एक साथ हंसते-बात करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दोनों भाई एयरपोर्ट से निकलते हुए बेहद खुशमिजाज नज़र आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत यह दावा करना शुरू कर दिया कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच चल रही दूरियां अब खत्म हो गई हैं और उनके रिश्ते पहले की तरह हो गये हैं। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने मान लिया कि इनके बीच सब पहले जैसा हो गया। वहीं जब इस वीडियो की सच्चाई की जांच की गई तो पता चला कि यह क्लिप हाल का नहीं है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसे किसी यूजर ने मौजूदा संदर्भ में दोबारा शेयर कर दिया। परिणामस्वरूप, कई लोगों ने इसे हाल का वीडियो समझ लिया और दोनों भाइयों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के दावे और चर्चाएं करने लगे। ऐसे में, केवल इस पुराने वीडियो के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच सब कुछ ठीक हो गया है या उनके रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघल गई है। फिलहाल, दोनों के रिश्ते की मौजूदा स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक या नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत की इशरूप ने रेपेशॉज मुकाबले में जॉर्जिका को हराया

-कांस्य की उम्मीदें बरकरार

ग्लास्गो (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास नहीं रहा। भारत की जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग (78 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को निराशा का सामना करना पड़ा और वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इशरूप ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराया। इशरूप ने अपनी लंबी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो युको हासिल किए और अंततः वाजा-आरी के आधार पर मुकाबला जीता। इस जीत के साथ, इशरूप अब कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे भारत के लिए पदक की एक और उम्मीद बंधी है। जूडो

में, युको तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को सफलतापूर्वक गिराता है या उसे पांच से नौ सेकंड तक होल्ड-डाउन करता है।

वहीं स्वर्ण पदक जीतने की उनकी उम्मीदें अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयी थीं। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से मात दी। चार मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिलीं, जबकि एमा ने दो वाजा-आरी हासिल कर अपनी जीत तय की। इशरूप ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करते हुए स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराया था। महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के इस शुरुआती मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा था, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक मिनट 40 सेकंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं, इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है, जिसके मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं अन्य भारतीय जूडो खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग में भारत के अवतार सिंह को प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके अलावा इसी तरह, यश घंगास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये पाए। उन्हें राउंड 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये बेरवाल, बोले एशियाई खेलों में प्रयास करेंगे

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90 किलो से अधिक के वर्ग में रजत पदक जीता है। नरेंद्र ने कहा कहा कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा बेरवाल ने पुरुषों के 90 किलो से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीता पर वह स्वर्ण नहीं जीत पाये। उन्हें फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड केमुक्केबाज डैमर थॉमस के खिलाफ 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बेरवाल इससे निराश दिखे। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के लिए एक मजबूत संकल्प भी जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत कम अंतर से स्वर्ण नहीं जीत पाया। से चूक गया, मैंने अपनी पूरी ताकत लगायी थी। इंग्लैंड के खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला काफी कठिन था। मुझे स्वर्ण पदक न जीत पाने का दुख है पर मैं इस कमी को अगले एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर पूरा करने के प्रयास करूंगा। बेरवाल की ये बातें उनकी दृढ़ता और अगले बड़े लक्ष्य के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती हैं। बेरवाल ने भारतीय मुक्केबाजी दल के समग्र प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई भारतीय मुक्केबाज बेहद करीबी मुकाबलों में हार गए, जो थोड़ी निराशाजनक बात थी। बेरवाल के अनुसार, सुमित कुंडू, आदित्य यादव, परवीन हुड्डा और कपिल पोखरिया जैसे खिलाड़ी 3-2 के बेहद करीबी अंतर से हारे। यदि ये मुकाबले हमारे पक्ष में जाते, तो भारत कुल 14 में से 14 पदक जीत सकता था। उन्होंने आगे कहा कि अगले बड़े आयोजनों के लिए टीम और भी बेहतर तैयारी के साथ उतरेगी ।टूर्नामेंट में बेरवाल का सफर बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को 5-0 के एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

इंटर मियामी के लिए मेसी की वापसी, कैसिमिरो ने किया 'ओन गोल'

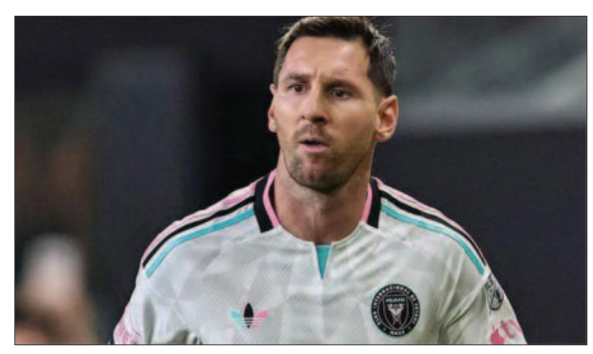

मियामी । अर्जेंटीना के विश्व कप फ़ाइनल में हार के बाद स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में इंटर मियामी के लिए सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे। इस मैच में उनके साथी खिलाड़ी कैसिमिरो ने 'ओन गोल' '(अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गोल) कर दिया। 19 जुलाई को अपनी टीम की कप्तानी करते हुए 1-0 से हारने के बाद से मेसी ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। 39 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान आठ गोल किए और चार असिस्ट किए। मेसी शनिवार को मेजर लीग सॉकर मैच में 53वें मिनट में मैदान पर उतरे, इस दौरान इंटर मियामी के घरेलू दर्शकों ने उनका ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। उस समय उनकी टीम 2-1 से आगे चल रही थी। उन्हें तुरंत एक मौका मिला, लेकिन मुश्किल एंगल से बाएं पैर से मारा गया उनका शॉट साइड-नेटिंग में चला गया। मेसी को जल्द ही एक और मौका मिला, लेकिन लुइस सुआरेज़ की गेंद को छाती से रोकने के बाद, उन्होंने जो शॉट मारा, वह गोलपोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। मियामी ने सुआरेज़ के शानदार लॉन्ग-रेंज चिप शॉट से बढ़त बनाई थी। यह चार मैचों में उनका सातवां गोल था। जुलाई में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद मियामी से जुड़े ब्राज़ील के मिडफील्डर कैसिमिरो ने गलती से कोलंबस के लिए बराबरी का गोल कर दिया। एक क्रॉस को रोकने के प्रयास में उन्होंने गेंद को अपनी ही टीम के नेट में डाल दिया। लेकिन नोआ एलन ने हेडर से घरेलू टीम को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद ब्राइस मेंडेज़ ने अपने डेब्यू मैच में 84वें मिनट में फ्री-किक से गोल करके कोलंबस क्रू को ड्रॉ दिलाया। एडेड टाइम में मेसी के पास जीत दिलाने वाले गोल के कुछ मौके थे, लेकिन उनका एक लूपिंग हेडर थोड़ा बाहर चला गया और फिर दाएं पैर से मारा गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'भारत के लिए तीसरा लगातार गोल्ड जीतकर गर्व महसूस हो रहा' : मीराबाई चानू

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय वेटलिफ्टिंग दल स्वदेश लौट आया। दिल्ली पहुंचने पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। मीराबाई ने इस बार महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीतते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मीराबाई ने रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मीराबाई चानू ने ग्लासगो में गोल्ड जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में अपना चौथा पदक हासिल किया। उन्होंने 2014 में रजत पदक जीता था, जबकि 2018, 2022 और अब 2026 में लगातार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने भारत के लिए पदक जीता। मुझे मणिपुर से होने पर भी गर्व है और खुशी है कि मैं देश के लिए कुछ कर सकी।' दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली मीतेई कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कोच विजय शर्मा ने की जमकर तारीफ

भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने पूरे दल के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीराबाई की उपलब्धि असाधारण है। उन्होंने कहा, 'मीराबाई सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की पहली महिला हैं जिन्होंने लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीता है। यह उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।' कोच ने यह भी बताया कि अब टीम का पूरा फोकस अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर रहेगा।

अन्य पदक विजेताओं ने भी जताई खुशी

महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कहा कि पदक जीतने और देशवासियों से मिले सम्मान से वह बेहद खुश हैं। पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग के रजत पदक विजेता ऋषिकांत सिंह ने कहा कि इस सफलता से उन्हें भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए और अधिक प्रेरणा मिली है। वहीं +110 किलोग्राम वर्ग में रजत जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान एशियन गेम्स में पदक जीतने पर है।

वेटलिफ्टिंग में भारत का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम ने कुल 8 पदक जीते।

भारत के पदक विजेता

स्वर्ण (1)- मीराबाई चानू (महिला 48 किग्रा)

रजत (6)- ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), मुथुपांडी राजा (65 किग्रा), वल्लुरी अजय बाबू (79 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

कांस्य (1)- बिंदियारानी देवी (महिला 58 किग्रा)

भारतीय वेटलिफ्टरों के इस शानदार प्रदर्शन ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की पदक तालिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

कनाडा ओपन में खेलेंगे वीनस विलियम्स और एलेक्जेंड्रा एला

टोरंटो। अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला कनाडा ओपन डब्ल्यूटीए 1000 में टेनिस खेलते हुए नजर आएंगी। अमेरिका की विलियम्स रविवार को वाइल्डकार्ड एंट्री के साथ अपना अभियान शुरू करेंगी; कनाडा में यह उनका 13वां टूर्नामेंट होगा। कनाडा में उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 में रहा था, जब उन्होंने अपनी बहन सेरेना को हराकर फ़ाइनल में जगह बनाई थी। यह टूर्नामेंट 1 से 13 अगस्त तक चलेगा और

महिलाओं के मैच टोरंटो में होंगे। 46 साल की खिलाड़ी पहले राउंड में सेंटर कोर्ट पर उज़्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा का सामना करेंगी। वहीं एला को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में जगह) मिला है, इसलिए वह दूसरे राउंड के लिए मंगलवार या बुधवार को कोर्ट पर उतरेंगी। उनका मुकाबला अमेरिका की एलिसिया पार्क्स या अंडोरा की क्वालिफ़ायर विक्टोरिया जिमेनेज़ कासिंत्सेवा से हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3967

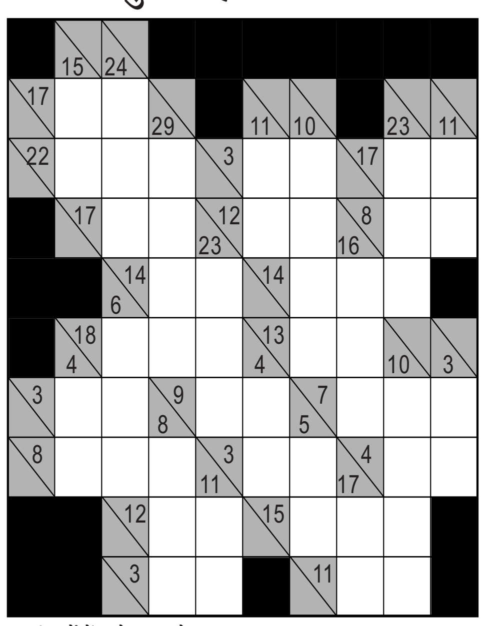

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

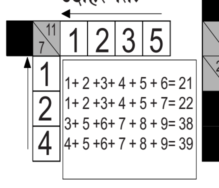

काकुरो - 3966 का हल

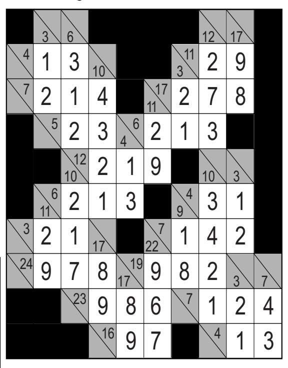

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली - 3967

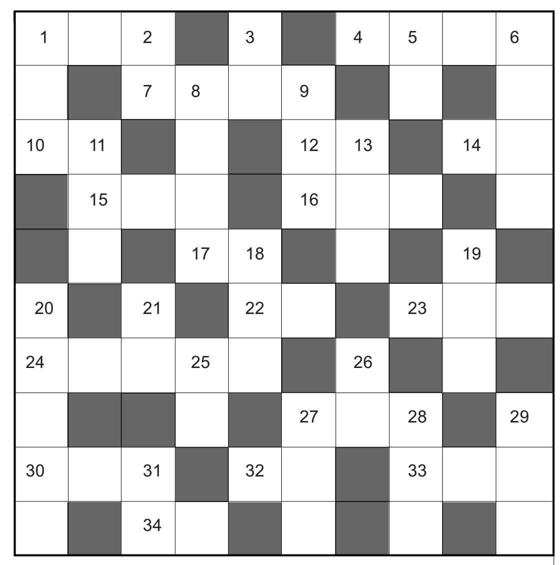

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3966

सूडोकु -3967

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3966 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 3967

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -3966 का हल

हेल्थ प्लस

एनीमिया दूर करे चुकंदर

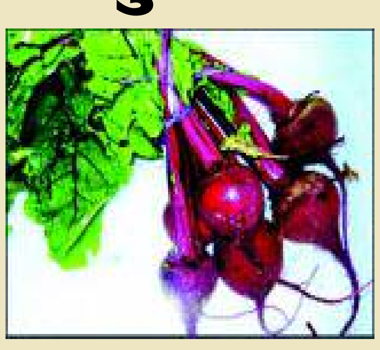

आपने अपनी दादी-नानी के मुंह से यह कहते जरूर सुना होगा कि चुकंदर-गाजर खाओगे तो लाल हो जाओगे। दरअसल, चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटमिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून को बढाने और उसे साफ करने का काम भी करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीटेंड तत्व शरीर को रोगों से लडने की क्षमता प्रदान करते हैं। यह नैचरल शुगर का स्त्रोत होता है। इसमें सोडियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन और अन्य महत्वपूर्ण विटमिन पाए जाते हैं।

चुकंदर में गुर्दे (किडनी) और पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) को साफ करने के प्राकृतिक गुण हैं। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर को प्रतिदिन पोषण प्रदान करने में मदद करता है तो वहीं क्लोरीन लिवर और किडनी को साफ करने में मदद करता है। प्राचीन समय में यूरोप में कैंसर के इलाज के लिए चुकंदर का उपयोग किया जाता था। चुकंदर के अन्य गुणों के बारे में जानकारी दे रही हैं डाइटीशियन सरिता डिमरी।

- यह पाचन संबंधी समस्याओं जैसे उल्टी, दस्त, चक्कर और पीलिया में सकारात्मक रूप से मदद करता है।
- चुकंदर-गाजर का जूस पीने से एनीमिया दूर हो जाता है। इसमें आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में मदद करता है।
- चुकंदर का जूस हाइपरटेंशन और हृदय संबंधी समस्याओं से दूर रखता है। खासतौर पर स्त्रियों के लिए यह बहुत लाभकारी होता है। पीरियड्स से संबंधित कई समस्याओं में इसका सेवन लाभप्रद होता है।
- इसे कई तरह से खाया जा सकता है। कच्चा सैलेड के रूप में, उबालकर, जूस बनाकर या सब्जी बनाकर।
- चुकंदर में बेटेन नामक तत्व पाया जाता है। दरअसल, आंत और पेट को साफ करने के लिए शरीर को बेटेन की जरूरत होती है और चुकंदर में मौजूद यह तत्व उसकी आपूर्ति करता है।
- शोध से पता चलता है कि यह कैंसर में लाभदायक होता है।
- चुकंदर और उसके पत्ते फोलेट का अच्छा स्त्रोत होते हैं, जो उच्च रक्त चाप और अल्जाइमर की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं।
- जोडों का दर्द होने पर नियमित रूप से चुकंदर खाने या उसका रस पीने से काफी हद तक लाभ होता है।

बच्चों में बढ़ता डायबिटीज

आजकल महानगरों की जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण बच्चों को भी कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड रहा है, जो अब तक सिर्फ बडों में ही देखने को मिलती थीं। जुवेनाइल डायबिटीज भी एक ऐसी ही समस्या है, जो बच्चों की सेहत को प्रभावित करती है।

क्या है डायबिटीज

शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है, जो हमें शुगर से मिलती है। बल्कि यूं कहा जा सकता है कि शुगर शरीर के लिए ईधन का काम करता है। जिस तरह गाडी को चलाने के लिए पेट्राल की जरूरत होती है उसी तरह शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए शुगर की जरूरत होती है। पेट में मौजूद पैंक्रियाज नामक ग्लैंड भोजन को पचाने का काम करता है। इससे इंसुलिन नामक हार्मोन का स्त्राव होता है और यह हार्मोन शुगर को ग्लूकोज में बदल कर उसे कोशिकाओं तक पहुंचाने का काम करता है। जिससे शरीर को काम करने की ऊर्जा मिलती है। लेकिन कभी-कभी जब इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या यह बन तो रहा होता है लेकिन कोशिकाओं तक ग्लूकोज पहुंचाने का काम नहीं कर पाता, तब रक्त में शर्करा की मात्रा बढने से डायबिटीज की समस्या हो जाती है।

डायबिटीज के प्रकार

- पहले तरह की डायबिटीज को ए टाइप या इंसुलिन पर आधारित डायबिटीज कहा जाता है। ज्यादातर बच्चों में इसी डायबिटीज के लक्षण देखने को मिलते हैं। यह डायबिटीज बच्चों के शरीर में मेटाबॉलिज्म संबंधी गडबडियों और शरीर में इंसुलिन न बनने के कारण होता है। लेकिन कभी-कभी जब शरीर में इंसुलिन बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है या इंसुलिन का बनना बंद हो जाता है। कुछ खास परिस्थितियों में शरीर में इंसुलिन तो बनता है लेकिन वह सही ढंग से अपना काम नहीं कर पाता। इससे बच्चे को डाइबिटीज की समस्या हो जाती है।
- दूसरे प्रकार की डायबिटीज ज्यादातर वयस्कों में पाई जाती है। इसमें शरीर में इंसुलिन बनता तो है लेकिन यह कोशिकाओं तक पहुंच कर शुगर को ग्लूकोज में बदलने का काम नहीं कर पाता।

क्या हैं लक्षण

- ज्यादा प्यास लगना
- बार-बार टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी आना
- हमेशा कमजोरी और थकान महसूस होना
- वजन घटना
- आंखों की दृष्टि का धुंधला होना
- पैरों के तलवे में दर्द

उपचार

- अगर किसी बच्चे में ऐसे लक्षण दिखाई दें या गर्भावस्था के दौरान मां को डायबिटीज की समस्या रही हो तो बिना देर किए बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लेनी चाहिए। साथ ही ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट, फॉस्टिंग ब्लड शुगर और ग्लायको हीमोग्लोबिन टेस्ट जरूर करवाना चाहिए।
- अगर जांच की रिपोर्ट पॉजिटिव आए तो इसके बाद बच्चे को नियमित रूप से दवाएं देनी चाहिए और समय-समय पर डॉक्टर से सलाह भी लेनी चाहिए।
- इसके अलावा बच्चे को कोल्ड ड्रिंक, वेफर्स, जंक फूड, चॉकलेट, मिठाइयों, चावल और आलू से बनी शुगर की अधिक मात्रा वाली चीजों के सेवन से बचाना चाहिए।
- बच्चे को संतुलित और पौष्टिक आहार दें और उसे ज्यादा देर तक खाली पेट न रहने दें।
- उसे प्रतिदिन खेलने-कूदने और एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित करें।

अगर इन बातों का ध्यान रखा जाए तो डायबिटीज से पीडित बच्चे भी सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

मसाला ही नहीं, औषधि भी है

तेजपत्ता (तेजपत्र) ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। आमतौर पर इसका प्रयोग सब्जी में मसाले के रूप में किया जाता है परन्तु यह एक अत्यन्त गुणकारी औषधि भी है। आइए, इसके औषधीय गुणों को जाने:

- इसके प्रयोग से गठिया रोग में आराम मिलता है।
- यह उदरशूल एवं अपच संबंधी पेट के रोगों में भी लाभ पहुंचता है। इसके सेवन से भूख खुल कर लगती है।
- इसके सेवन से मूत्रविकार संबंधी तकलीफ में फायदा होता है ।
- सर्दी या गर्मी किसी भी कारण से सिरदर्द हो तो तेजपत्ता डंठल सहित पीस कर हलका गर्म करके मस्तक पर लेप करें।
- मुंह, नाक, मल-मूत्र या किसी भी रास्ते से रक्त निकलने पर पानी के एक गिलास में एक चम्मच पिसा हुआ तेजपत्ता चूर्ण मिला कर सेवन करने से रक्तस्त्राव बंद हो जाता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-

जैसे समय बीता ही नहीं

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर।' शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं। इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जान्हवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था। शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी। जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं।

'रागिनी 3' में नजर आएंगी आरजे महवश

आरजे महवश को बीते दिनों 'सतरंगी-बदले का खेल' में देखा गया था। यह वेब सीरीज इस साल मई में रिलीज हुई थी। अब वे फिल्म 'रागिनी 3' में नजर आएंगी। महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आज शुक्रवार को आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्वॉयफ्रेंड की वजह से टूटा था तापसी पन्नू का दिल

आज हैं विदेशी खिलाड़ी की दुल्हनियां

स्कूल-कॉलेज का प्यार अक्सर किसी पुरानी किताब में समिट कर रह जाते हैं। इसी उम्र में अभिनेत्री तापसी पन्नू भी किसी पर अपना दिल हार बैठी थीं। अभिनेत्री आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शादीशुदा जीवन बिता रही हैं लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया था कि स्कूल के समय उनका एक बॉयफ्रेंड था। वह 9वीं क्लास में थीं तो उनका बॉयफ्रेंड 10वीं में। तापसी ने बताया कि उनके ब्वॉयफ्रेंड ने उनसे इसलिए ब्रेकअप ले लिया था क्योंकि उसका कहना था कि वो 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना चाहता है, जिसके बाद मैं खूब रोई भी थी। हालांकि, उस समय आज के बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल नहीं हुआ करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि वो उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था। अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनकी इतना बुरा हाल कर दे। अभिनेत्री ने अपनी बात में यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था। समय बीता और यह सब पीछे चला गया। तापसी ने भी अपनी राह बदली और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नई दिल्ली) से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (इंजीनियरिंग) पूरी की। यहीं से उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ सिनेमा की तरफ रुख किया।

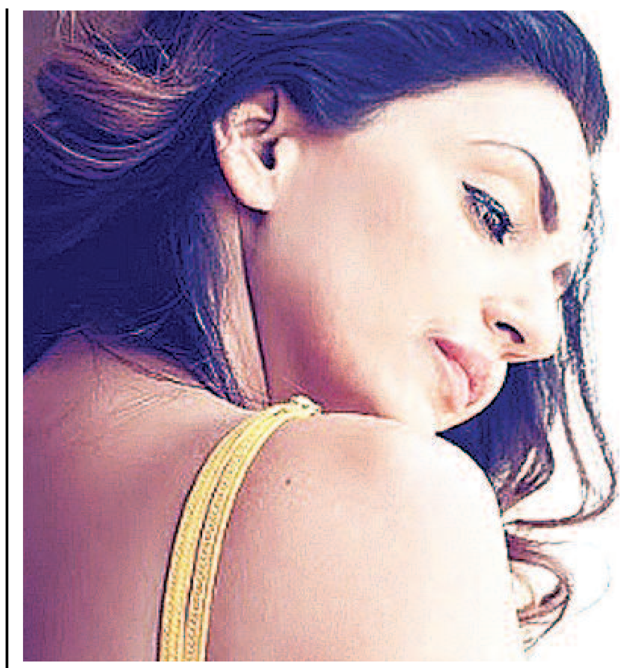

'इंटीमेट सीन्स के दौरान बहक जाना लाजमी'

इस एक्ट्रेस ने बताई पर्दे पर 'एहसास' की सच्चाई

टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने इंटीमेट सीन्स पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है। आर्टिस्ट भी इंसान हैं। हालांकि उन्होंने प्रोफेशनलिज्म बनाए रखने को सबसे अहम बताया।

टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने ऑनस्क्रीन इंटीमेट सीन्स को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। बिग बॉस फेम अर्शी खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि रोमांटिक या इंटीमेट सीन करते समय किसी को-स्टार के प्रति अट्रैक्शन महसूस होना अनयूजवल नहीं है। उनका कहना है कि कलाकार भी आम इंसान होते हैं और ऐसी भावनाएं स्वाभाविक हैं।

क्या इंटीमेट सीन के दौरान बहक जाते हैं एक्टर्स?

पॉडकास्ट में अर्शी खान ने नवीना से पूछा कि क्या ऑनस्क्रीन रोमांस करते-करते कभी ऑफस्क्रीन भी ऐसा महसूस होता है या किसी अभिनेता की नीयत बदल सकती है? इस पर नवीना बोले ने जवाब दिया,'हो तो कुछ भी सकता है। हम नॉर्मल लोग हैं। किसी के प्रति अट्रैक्शन होना और उसे पसंद करना बिल्कुल नेचुरल है।'

'रोमांटिक सीन्स में अट्रैक्शन होना स्वाभाविक है'

नवीना ने आगे कहा कि कई बार लगातार रोमांटिक सीन शूट करने के दौरान आर्टिस्ट अपने को-स्टार को लेकर अट्रैक्ट हो सकते हैं। यह एक ह्यूमन नेचर हैं। इसमें कोई अस्वाभाविक बात नहीं हैं। हालांकि इस दौरान प्रोफेशनलिज्म बनाए रखना सबसे जरूरी होता है।

डेटिंग को लेकर भी रखी राय

बातचीत के दौरान नवीना बोले ने अपनी निजी पसंद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह उसी व्यक्ति को डेट कर सकती हैं, जिसके प्रति उन्हें फिजिकल और इमोशनल अट्रैक्शन महसूस हो। अगर ऐसा न हो तो रिश्ता निभाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है।

मानुषी छिल्लर ने बताई 2015 में पेपर लीक के बाद दोबारा एंट्रेंस देने की कहानी, कहा-

'सबसे मुश्किल वक्त था वो'

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहनने वाली और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर आज ग्लैमर की दुनिया का जाना-माना नाम हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मानुषी ने एक्ट्रेस बनने से पहले मेडिकल की पढ़ाई की थी और डॉक्टर बनने का सपना देखा था।

हाल ही में सोहा अली खान के यूट्यूब टॉक शो 'ऑल अबाउट हर' में उन्होंने अपने जीवन के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्हें डॉक्टर बनने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। खासकर 2015 में हुए मेडिकल एंट्रेंस पेपर लीक के बाद जो कुछ हुआ, उसने उन्हें अंदर तक तोड़ कर रख दिया था। टॉक शो में मानुषी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पेपर लीक को मैं दो नजरिए से देखती हूं। एक मेरा खुद का अनुभव और दूसरा देश के लाखों स्टूडेंट्स की सच्चाई। मेरे माता-पिता खुद डॉक्टर हैं और वो पहले से जानते थे कि मेडिकल की तैयारी कितनी कठिन होती है। इसलिए मैं मानसिक तौर पर थोड़ी तैयार थी लेकिन फिर भी उस समय को झेलना आसान नहीं था। ' मानुषी ने बताया, ''पेपर लीक के बाद मुझे अपनी सारी खुशियां एक तरफ रखनी पड़ीं। मैं एक प्रोफेशनल कुचिपुड़ी डांसर थी। मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद था। दोस्तों के साथ समय बिताना, घूमना-फिरना, ये सब मुझे बहुत अच्छा लगता था लेकिन एंट्रेंस दोबारा होने की वजह से पूरे एक साल तक मैंने ये सब छोड़ दिया। सिर्फ पढ़ाई, कोचिंग और किताबें ही मेरा फोकस रहा। उस एक साल में मेरी दुनिया बहुत छोटी हो गई थी। सुबह से रात तक बस एक ही लक्ष्य था - दोबारा एग्जाम क्लियर करना।' मानुषी ने आगे कहा, ''मेरा संघर्ष दूसरों के मुकाबले कुछ भी नहीं है। तैयारी के दौरान मैं ऐसे कई बच्चों से मिलीं, जिनकी कहानी सुनकर रोना आ जाता है, जिनके माता-पिता ने कोचिंग भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज किया। कई बच्चे छोटे शहरों से बड़े शहर आए थे और एक छोटे से कमरे में 4-5 लोग साथ रहते थे। दिन-रात सिर्फ एक एग्जाम के लिए पढ़ते थे। उनके पास कोई प्लान बी नहीं था।''

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर...

शहनाज़ गिल बोलीं दिल से शुक्रिया

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया।

जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम

आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी ने बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। वह सबसे उम्रदराज हनुमान बनेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीस के मामले में भी उन्होंने नया रिकॉर्ड बनाया है। 'रामायणम' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज हुआ। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, अरुण गोविल दशरथ, रकुल प्रीत सींह सूर्पणखा , लारा दत्ता कैकेयी और विवेक ओबेरॉय विद्युत्जिव्हा का रोल निभा रहे हैं। कई अन्य कलाकार भी फिल्म हैं और ट्रेलर में ज्यादातर कलाकारों के लुक दिखा दिए गए। हालांकि, सनी देओल को इसमें न पाकर उनके फैन्स निराश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'रामायणम' में हनुमान बनकर सनी देओल ने 38 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

आखिर सनी देओल ने हनुमान बनकर कौन-सा रिकॉर्ड तोड़ा?

हम यहां बात कर रहे हैं हनुमान का रोल निभाने वाले सबसे उम्रदराज एक्टर की, जो अभी तक दारा सिंह के पास था। 1988 में जिस वक्त दारा सिंह रामानंद सागर के पॉपुलर शो 'रामायण' में हनुमान बने थे, उस वक्त वे 60 साल के थे। उन्होंने आखिरी बार हनुमान का रोल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'लव कुश' में निभाया था, जो 25 जुलाई 1997 को वी. मधुसूदन राव के निर्देशन में बनी जीतेंद्र, जया प्रदा और अरुण गोविल स्टारर यह फिल्म रिलीज हुई थी। उस वक्त दारा सिंह की उम्र 68 साल 8 महीने 6 दिन थी। उनका जन्म 19 नवम्बर 1928 को हुआ था।

सनी देओल 68 साल के हैं। 19 अक्टूबर 1957 को उनका जन्म हुआ। उनकी फिल्म 'रामायणम् पार्ट 1' कथिततौर पर 8 नवंम्बर 2026 को रिलीज होगी। उस वक्त तक सनी देओल की उम्र 69 साल से ज्यादा हो जाएगी। जबकि फिल्म का दूसरा पार्ट (दिवाली 2027) की रिलीज तक वे 70 साल के आसपास होंगे। यानी अगर फिल्म रिलीज के समय से तुलना करें तो सनी देओल सबसे उम्रदराज हनुमान बने हैं।

सबसे महंगे हनुमान भी बने सनी देओल

अगर फीस के मामले में देखें तो सनी देओल अब तक के सबसे महंगे हनुमान बने हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' के लिए उनकी फीस 40 करोड़ रुपए है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला : कीव पर बरसाईं मिसाइलें और ड्रोन, तीन की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग भी लग गई। क्लिचको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा ढह गया। यहां भी लोगों के फंसे होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के डारनित्स्की जिले में गोदामों में भी आग लग गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब दो दिन पहले ही रूस ने पूरे यूक्रेन में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया था। उस हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, रूस की एक मिसाइल पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी प्रवेश कर गई थी।

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को न्योता देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह 2027 में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए भारत को न्योता भेजेगा। पाकिस्तान का कहना है कि शिखर सम्मेलन के मेजबान के तौर पर सभी सदस्य देशों को न्योता देना उसकी जिम्मेदारी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या 2027 के एससीओ समिट के मेजबान के नाते पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समिट के लिए न्योता दिया जाएगा। अंद्राबी ने कहा, हां, शंघाई सहयोग संगठन के सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को न्योता दिया जाएगा, अगर वे सरकार प्रमुख के स्तर पर शामिल होना चाहें। न्योता भेजा जाएगा क्योंकि मेजबान के तौर पर यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हम समिट मीटिंग के लिए सभी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को न्योता देंगे। एससीओ की शिखर बैठकराष्ट्रपति स्तर पर होती है। एससीओ समिट और सरकार के प्रमुखों की बैठकों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बारी-बारी से हिस्सा लेते हैं।

10 मेंबर्स के साथ ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे ; 4 शव बरामद, रेस्क्यू जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता हो गए हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पुर्जा के साथ 9 मेंबर थे। शिखर पर चढ़ने की कोशिश के दौरान बर्फीले तूफान ने 10 सदस्यीय टीम को अपनी चपेट में ले लिया। लापता होने वालों में नेपाल के 6, पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल है। इनमें से 4 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। एवरेस्ट क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक निर्मल पुर्जा के जीपीएस ट्रैकर में हल्की हलचल देखी गई है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि यह तकनीकी खराबी भी हो सकती है। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार गुरुवार सुबह 9:38 बजे पुर्जा 6,659 मीटर की ऊंचाई पर थे। इसके बाद सुबह 10:18 बजे 800 मीटर की तेजी से गिरावट दर्ज की गई, जो एवलांच के समय से मेल खाती है। नेपाल पर्वतारोहण संघ के पूर्व अध्यक्ष आंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में उतर नहीं पा रहे हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वे पाकिस्तान में स्थित नेपाली दूतावास के जरिए पाकिस्तानी सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। और पर्वतारोहियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के उपाध्यक्ष करार हैदरी ने बताया कि हिमस्खलन के बाद से पूरी टीम से संपर्क टूट गया है। क्लब ने कहा कि वे सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में 3 महीनों में 74 लोगों की हत्या, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अप्रैल से जून 2026 के बीच हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मानवाधिकार संगठन अधिकार की ताजा रिपोर्ट ने गंभीर चिंताएं जताई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस तीन महीने की अवधि में भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में कुल 74 लोगों की मौत हुई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। संगठन का कहना है कि भीड़ द्वारा की गई अधिकांश हत्याएं चोरी, डकैती या धार्मिक भावनाएं आहत करने के संदेह में की गईं, जो न्याय व्यवस्था पर लोगों के घटते भरोसे की ओर संकेत करती हैं।

रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के भीतर गुटबाजी, जबरन वसूली और क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर बढ़ते संघर्षों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ अपराध, कथित न्यायेतर हत्याएं, जेलों में क्षमता से दोगुने कैदियों की मौजूदगी और पत्रकारों पर हमलों को भी प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने रखा गया है। मानवाधिकार संगठन ने सरकार से स्वतंत्र जांच, जवाबदेही तय करने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग की है ताकि हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

भीड़ हिंसा पर गंभीर चिंता : रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ द्वारा मारे गए अधिकांश लोगों पर चोरी या डकैती का संदेह था। कुछ लोगों की हत्या गांवों में होने वाली अनौपचारिक पंचायतों (सलिश) के दौरान या धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में की गई। संगठन ने कहा कि यह स्थिति कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर लोगों के घटते भरोसे को दर्शाती है, जिसके कारण लोग खुद कानून हाथ में ले रहे हैं।

राजनीतिक गुटबाजी बनी वजह : वहीं रिपोर्ट में आगे बताया गया कि इस अवधि में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के भीतर आपसी संघर्ष की 57 घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) में दो घटनाएं सामने आईं। बीएनपी की अंदरूनी गुटबाजी में चार लोगों की मौत हुई और 400 लोग घायल हुए, जबकि एनसीपी के आंतरिक संघर्ष में 16 लोग घायल हुए। बीएनपी के भीतर विवाद जबरन वसूली, क्षेत्रीय वर्चस्व, खुदाई की मिट्टी की बिक्री, स्थानीय चुनाव टिकट, पार्टी सम्मेलन और राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर थे। कई घटनाओं में आग्नेयास्त्र और अन्य घातक हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया।

तीन महीने में 74 मौतें : मानवाधिकार संगठन ने आरोप लगाया कि बीएनपी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जबरन वसूली, जमीन कब्जाने, अपहरण, दुष्कर्म, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों पर हमले, पुलिस के काम में बाधा डालने और राजनीतिक विरोधियों पर हमले जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के मानवाधिकार संगठन 'अधिकार' की तिमाही रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2026 के दौरान भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में 74 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध, जेलों में भीड़भाड़ और पत्रकारों पर हमलों को भी गंभीर चिंता का विषय बताया गया। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर भी चिंता जताई गई है। अप्रैल-जून के दौरान 255 दुष्कर्म पीड़ितों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिनमें 93 महिलाएं और 161 लड़कियां शामिल थीं। संगठन ने कहा कि डीएनए जांच की सीमित सुविधा, मेडिकल रिपोर्ट में देरी, पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा का अभाव तथा अदालतों में लंबित मामलों के कारण दुष्कर्म पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि रिपोर्ट में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तीन न्यायेतर हत्याओं (एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग) का भी उल्लेख किया गया है। इनमें एक व्यक्ति की कथित तौर पर डिटेक्टिव ब्रांच की हिरासत में यातना से मौत, एक व्यक्ति की मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग की कार्रवाई के दौरान पिटाई से मौत और एक मछुआरे की वन विभाग की गश्ती टीम द्वारा गोली मारकर हत्या शामिल है। रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई तक बांग्लादेश की 75 जेलों में उनकी क्षमता 43,157 के मुकाबले 85,000 से अधिक कैदी बंद थे। इस दौरान बीमारी के कारण 16 कैदियों की मौत हुई। संगठन ने जेलों में भीड़भाड़, अपर्याप्त भोजन और डॉक्टरों की कमी को गंभीर समस्या बताया। मानवाधिकार संगठन ने यह भी कहा कि इस अवधि में पत्रकारों पर हमलों की कई घटनाएं हुईं। 17 पत्रकार घायल, पांच के साथ मारपीट, चार पर हमले और सात को धमकियां दी गईं।

स्यूटा माइग्रेशन संकट: इटली के बाद फ्रांस ने भी स्पेन के साथ बॉर्डर कंट्रोल किया सख्त

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मोरक्को के उत्तर में स्थित स्पेनिश इलाके स्यूटा में बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स आने के बाद फ्रांस ने स्पेन के साथ सीमा नियंत्रण बढ़ा दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सेउटा में शेंगेन क्षेत्र की तरह मुक्त आवागमन की सुविधा नहीं है। हालांकि, मैंने कल गृह मंत्री से कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो स्पेन से लगी हमारी सीमा पर नियंत्रण और कड़ा किया जाए। इसके लिए चार मोबाइल पुलिस इकाइयां, एक विमान और ड्रोन तैनात किए गए हैं।' स्यूटा के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में करीब 60,000 माइग्रेंट्स जमीन और समुद्र के रास्ते से गैर-कानूनी तरीके से स्यूटा में घुसे हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्पैनिश डेली एल पेस के हवाले से बताया कि तैरकर इलाके में पहुंचने की कोशिश करते समय 57 माइग्रेंट्स की मौत हो गई।

स्पेनिश सरकार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक, करीब 48,000 माइग्रेंट्स मोरक्को लौटने के लिए स्पैनिश इलाके को छोड़ चुके थे।

इस बीच, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार शाम को कहा कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है।

पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, 'स्यूटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।

इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सेउटा से आ रही तस्वीरें दिखाती हैं कि मैड्रिड सरकार का 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पेनिश और, इसलिए यूरोपीय नागरिकता देने का फैसला कितना गलत है और मानव तस्करी को बढ़ावा देता है।

मॉस्को के रेस्टोरेंट के बाहर बम धमाका, 3 की मौत, 21 घायल

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम एक निजी कार्यक्रम के दौरान हुए बम धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। शहर के व्यस्त इलाके में स्थित बाल्जी रसोई रेस्टोरेंट के बाहर हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में वह महिला भी शामिल बताई जा रही है, जो कथित तौर पर एक गिफ्ट बॉक्स लेकर रेस्टोरेंट पहुंची थी। यह धमाका मॉस्को के कुद्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित रेस्टोरेंट के प्रवेश द्वार के पास हुआ। घटना के समय रेस्टोरेंट आम ग्राहकों के लिए बंद था और वहां एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। यह इलाका मॉस्को के प्रमुख और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। शुरुआती जांच के अनुसार, महिला एक कूरियर की तरह गिफ्ट बॉक्स लेकर वहां पहुंची थी। सुरक्षा गार्ड को पैकेट पर शक हुआ और वह उसकी जांच करने लगा। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि धमाका रिमोट कंट्रोल से कराया गया हो सकता है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक विस्फोटक में करीब एक किलोग्राम टीएनटी के बराबर सामग्री थी। इसमें धातु की छोटी-छोटी गोलियां भी शामिल थीं, ताकि विस्फोट के दौरान ज्यादा नुकसान हो सके। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले के पीछे कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। जांच एजेंसियां महिला की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि संभव है कि महिला को खुद इस बात की जानकारी न हो कि जिस पैकेट को वह पहुंचाने आई थी, उसमें विस्फोटक मौजूद था। अधिकारियों का मानना है कि असली निशाना रेस्टोरेंट में चल रहा निजी कार्यक्रम हो सकता है, जिसमें कई विशेष मेहमान शामिल थे। विस्फोट के बाद पूरे इलाके को तुरंत घेर लिया गया। पुलिस, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने मामले की जांच तेज कर दी है। फिलहाल किसी आतंकी संगठन या संदिग्ध व्यक्ति का नाम सामने नहीं आया है। सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल से मिले सबूतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धमाके की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं।

रूस के हमले में 9 की मौत, जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी, बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो

कीव (एजेंसी)। रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जानते हैं कि हमें क्या चाहिए। अब केवल राजनीतिक फैसला लेने की जरूरत है। बैलिस्टिक रोधी मिसाइलें लोगों की रक्षा करें, गोदामों में न पड़ी रहें। हर दिन की देरी रूस को हमारे लोगों की जान लेने का एक और मौका देती है।

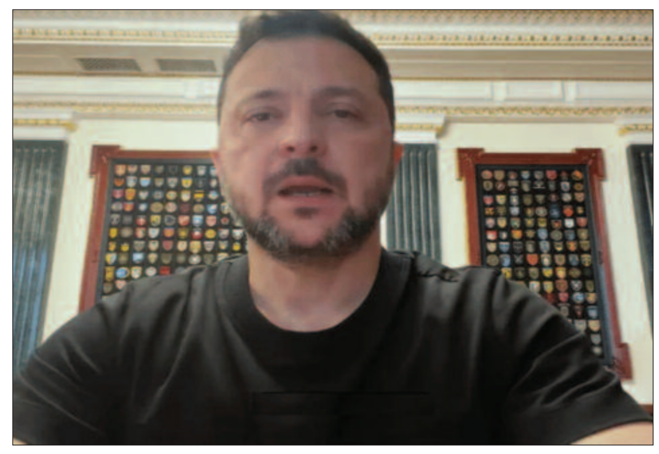

रूस नई रणनीति अपना रहा, नए प्रतिबंध लगाएं

जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की। साथ ही कहा कि रूस के तेल शोधन और ईंधन क्षेत्र को मिलने वाली मदद रोकना भी जरूरी है, ताकि उसकी युद्ध क्षमता कमजोर हो सके।

सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हमले में कीव स्थित यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निशाना बनाया गया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि हमले में रिहायशी इलाके और नागरिक भी प्रभावित हुए। जेलेंस्की ने रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमेरिका के साथ होने वाली आगामी कूटनीतिक बातचीत की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यूक्रेन को हथियारों और वायु रक्षा प्रणाली को लेकर सहयोगी देशों से ठोस समर्थन मिलेगा।

घरों में लूटपाट, सड़कों पर आगजनी... कैसे सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला पड़ा भारी? प्रवासी हिंसा से दहल उठा स्पेन

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप के देश स्पेन में इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र सेउटा में मोरक्को से लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों की भारी भीड़ ने अचानक घुसपैठ कर दी है। समुद्र के रास्ते तैरकर और छोटी नावों के जरिए आए इन प्रवासियों ने सेउटा की सड़कों पर जमकर उत्पाद मचाया है, जिससे समूचे यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस दौरान हुई हिंसा, भगदड़ और समुद्र में डूबने की घटनाओं में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है।

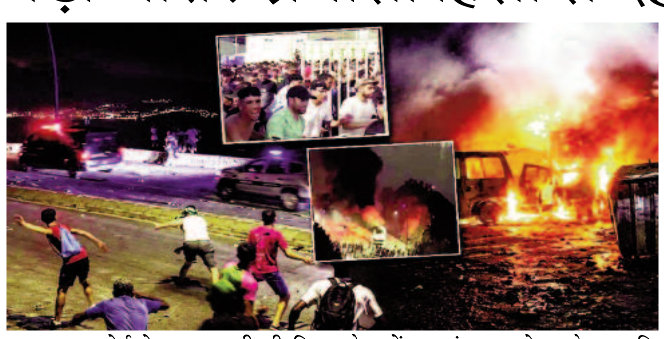

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खोली घुसपैठ की राह : इस संकट के पीछे स्पेन की सुप्रीम कोर्ट का एक हालिया कानूनी फैसला मुख्य कारण बताया जा रहा है। दरअसल, कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि समुद्र के रास्ते स्पेन की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता। इस कानूनी खामी का फायदा उठाकर हजारों की संख्या में युवा और बच्चे समुद्र के रास्ते सेउटा और मेलिला के तटों पर पहुंच गए। सेउटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवा्स ने इसे एक बड़ा 'मानवीय और सामाजिक आपातकाल' घोषित किया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सेउटा की सड़कों पर अराजकता का माहौल है। भूख से बेहाल प्रवासियों की भीड़ जबरन लोगों के घरों और दुकानों में घुस रही है। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया और इमारतों की खिड़कियां तोड़कर अंदर दाखिल होने की कोशिश की। स्थिति को संभालने के लिए स्पेन सरकार ने सेना और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं, लेकिन भीड़ इतनी अधिक है कि सुरक्षाकर्मी खुद को बेबस महसूस कर रहे हैं। स्पेन के इस संकट ने पड़ोसी यूरोपीय देशों की भी नींद उड़ा दी है। चूंकि स्पेन यूरोपीय संघ का हिस्सा है, इसलिए वहां से प्रवासियों के अन्य देशों में फैलने का खतरा बढ़ गया है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इसे यूरोप की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा बताया है और संकेत दिए हैं।

श्रीलंका ईस्टर धमाकों पर बड़ा फैसला, अदालत ने कौन से बड़े अधिकारियों को ठहराया दोषी?

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में 2019 के ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें पहले से मिली खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं करने का दोषी माना। अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा और यह मामला फिर कैसे खुला? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के तत्कालीन शीर्ष नौकरशाह हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को पहले से मिली खुफिया जानकारी पर कार्रवाई नहीं करने और अपने कर्तव्य में आपराधिक लापरवाही बरतने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस बड़े हमले को रोका जा सकता था।

ईस्टर संडे हमले में क्या हुआ था : 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर संडे के दिन श्रीलंका में चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। यह श्रीलंका के इतिहास के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। जांच में सामने आया था कि हमले से पहले भारत की एजेंसियों ने संभावित हमले को लेकर खुफिया सूचना दी थी।

अदालत ने दोनों अधिकारियों को किस आधार पर दोषी माना : हाई कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति प्रियंथा लियानागे और न्यायमूर्ति थिलकरत्ने बंडारा ने बहुमत के फैसले में कहा कि खुफिया जानकारी पर लापरवाही बरतने के कारण 268 लोगों की जान गई और 586 लोग घायल हुए। अदालत ने कहा कि तत्कालीन पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे। अदालत ने दोनों अधिकारियों को आपराधिक लापरवाही का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। हालांकि, पीठ के तीसरे सदस्य न्यायमूर्ति विराज वीरसूर्या ने असहमति जताते हुए दोनों को बरी करने का मत दिया।

यह मामला दोबारा अदालत तक कैसे पहुंचा : पुजित जयसुंदरा और हेमासिरी फर्नांडो को 2019 में गिरफ्तार किया गया था। दोनों चार महीने तक हिरासत में रहे और बाद में जमानत पर रिहा हुए। नवंबर 2021 में उन पर भारतीय एजेंसियों से मिली खुफिया चेतावनी के बावजूद कार्रवाई नहीं करने के आरोप में अभियोग तय किए गए। हालांकि फरवरी 2022 में हाई कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया था और उनके खिलाफ लगाए गए सभी 855 आरोप खारिज कर दिए थे। बाद में अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पिछली सुनवाई में बचाव पक्ष का कोई गवाह पेश नहीं हुआ था। इसके बाद नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की फिर से सुनवाई शुरू हुई।

तत्कालीन सरकार पर क्या आरोप लगे : हमलों के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार पर भी गंभीर सवाल उठे थे। आरोप था कि भारत से पहले ही हमले की चेतावनी मिलने के बावजूद सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए। अदालत के फैसले के बाद पुजित जयसुंदरा श्रीलंका पुलिस के 150 से अधिक वर्षों के इतिहास में ऐसे सबसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई है।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है : कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा : हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह : हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी : ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है।

आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं। उनका कहना है कि इससे सत्ता कुछ मजबूत राजनीतिक और संस्थागत समूहों के हाथों में बनी हुई है। इस समूह के सामने आने के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे हैं- अब एक नौजवान को आप कुछ भी कह सकते हैं, सिर्फ एक नौजवान या फिर कॉकरोच या फिर कुछ और। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर ये कॉकरोच एकजुट हो गए तो ये सबकुछ उलट-पुलट कर देंगे। नकवी ने पाकिस्तान आर्थिक सम्मेलन में कहा, हम वर्तमान में जिस व्यवस्था में रह रहे हैं, वो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अब इस व्यवस्था में रहते हुए समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब जब तक बड़े सुधार नहीं होंगे, पाकिस्तान उन्हीं मुद्दों पर चर्चा करता रह जाएगा, जिस पर वो एक दशक पहले भी चर्चा करता था। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोग भी ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें समान अवसर मिले, जहां उनकी मेहनत का सम्मान हो। नकवी के मुताबिक, पाकिस्तान को अब ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां पर स्थानीय सरकारों को ज्यादा ताकत दी जाए।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)